

jftLV^{ah} laö Mhö ,yö&33004@99

REGD. NO. D. L.-33004/99

la- 174] **ubZ fnYyh] c`gLifrokj] ekpZ 17] 2016@iQkYxqu 27] 1937 No.**
174] **NEW DELHI, THURSDAY, MARCH 17, 2016/ PHALGUNA 27, 1937**

विुतमंालय

अधिसूचना

नईदली, 17 मार्च, 2016

. 316(अ).).).-भारतकेराजप, असाधारण, भाग-2, खंड-3 उपखंड (II) मसंयाका.आ. 643 (अ) तारीख 2 मई, 2005 केमायमसेकािशतअधिसूचनानाराक ीयसरकारारासंघराये
केलिएसंसंयु वि"ुतिविनयामकआयोगकागठनकयागयाथा;

औरगोवारायसरकारनेउ संयु आयोगमजुड़नेकेलिएस\$मितक%हैऔरइससंबंधमिव"ुतअधिनयम, 2003 (2003 का 36) क%धारा 83 केअधीनक ीयसरकारको इस िनिम)ािधकृतकयाहैऔरभारतकाराजप, असाधारण, भाग-2, खंड-3, उपखंड(II) मसंयाका.आ. 1271(अ) तारीख 30 मई, 2008 केमायमसेकािशतअधिसूचनानाराक ीयसरकारनेउ संयु आयोगमजुड़नेकेलिएसगोवारायकोसुकरबनायाहै;

अतःअबक ीयसरकारिव"ुतअधिनयम, 2003 (2003 का 36) क% धारा104 तथा धारा 180 क% उप-धारा 2 के खंड (ज) ाराद)शि यकायोगकरते9एभारतकेिनयं
कऔरमहालेखापरीककेपरामशसेिन;िलिखतिनयमबनातीहैअथा त:-

1.संि (1)इनिनयमकासंि>नामगोवारायऔरसंघराये
केलिएसंसंयु वि"ुतिविनयामकआयोग (लेखा? और अभिलेख के वाBषक विवरण का उपाबंध) िनयम, 2016है।
(2) येराजपमकाशनक%तारीखकोवृ)हगे।

2. परभाषाएं:इन िनयम म, जब तक संदभ म अहयथा अपेित न हो:

(क)"लेखा अधिकारी" से ऐसा अधिकारी अभेत है जो संयु आयोग के अय ारा नामिनLदM है और लेख के अनुरण और वाBषक लेखे तैयार करने के िलए उ)रदायी है;

(ख)"अधिनयम" सेवि"ुतअधिनयम, 2003 (2003 का 36) अभेतहै;

1351GI/16

(1)

(ग)"लेखा परीा अधिकारी"से ऐसा अधिकारी अभेत है जो भारत का िनयं क और महालेखा परीक होता है अथवा

संयु आयोग के लेख क% लेखा परीा के संबंध म उसके ारा िनयु कोई अधिकारी होता है।

(घ)"अय" सेसंयु आयोगकेअयअभेतहै।

(ङ)"वि)ीयवष" सेवहअविधअभेतहैजोवषके 01 अैलसेआरंभहोकरसमाि>वषके 31 माचतकबारह

कैलोPडरमहीनसेअनिधकहो।

(च)"उपाबंध" सेइनिनयमसेसंलRउपाबंधअभेतहै;

(छ)"संयु आयोग" सेअधिनयमक%धारा 83 केअधीनगSठतगोवारायऔरसंघशािसते
केलिएसंसंयु वि"ुत

विनयामकआयोगअभेतहै;

(ज)"सदUय" सेसंयु आयोगकासदUयअभेतहै;

(झ)"भागीदारराय" सेगोवारायअभेतहै;

(ञ)"भागीदारसंघराये
" सेदलीकोछोड़कर, कोईभीसंघराये
अभेतहै;

(ट)"अनुसूची"इन िनयम के साथ संलR अनुसूची अभेत है;

(ठ)"सिचव" सेसंयु आयोगकासिचवअभेतहै।

(2) उनसभीशब्दएवंअभिव्यक्तियाँ, जोइननियममधुनैएवंप्रसारभाषितनहींकईहैं, उक्तअधिनियमम

प्रसारभाषितहैं, कावहीअथहोगाजोउसअधिनियममहै।

3. आयोग के लेख: (1)संयु आयोग [येक वि]तीय वर्ष के लिए वांछक लेखा विवरण तैयार करेगा और संयु आयोग

के सिचव लेखे तैयार करने के लिए अपनी इस निमित्त संयु आयोग के कसी अधिकारी को अधिकृत कर सकते हैं।

(2) संयु आयोग का सिचव संयु आयोग के लेख के अनुरणका पय वेण, वितीय विवरण और विवरणी का संकलन करेगा, और यह सुनिश्चित करेगा क लेखा परी अधिकारी द्वारा संयु आयोग के लेख क% लेखा परी करने के योजन के लिए मांगे गए सभी लेखे, लेखाबही, संबंधित वाउचर, और अन्य दस्तावेज और कागज-प उस अधिकारी के सम रखे जाते

हैं।

(3) संयु आयोग का सिचव क वीय सरकार और भागीदार राज्य सरकार को उस तारीख तक जो क वीय सरकार द्वारा विनियमित क% गई हो, संयु आयोग द्वारा सत्यक रूप से अनुमोदित और लेखा परी अधिकारी द्वारा मांगित वांछक लेखा प्रयौरा प्रस्तुत करेगा।

(4) संयु आयोग निम्नलिखित लेखे तैयार करेगा अथा तः

(क) ऋण और भुगतान लेखा

(ख) आय और व्यय लेखा

(ग) तुलन-प

(5) संयु आयोग का सिचव ऋण और भुगतान लेख, आय और व्यय लेख तथा तुलन-प पर हस्ताक्षर करने और

अधिमार्जित करने के लिए अधिकृत हस्ताक्षरकता होगा।

(6) संयु आयोग का सिचव लेखा परी अधिकारी को उस वर्ष के प्रारंभ में जिससे लेखे संबंधित हैं, 30 जून से पहले वांछक लेखा कथन भी प्रस्तुत करेगा और लेखा परी अधिकारी संयु आयोग के लेख क% लेखा परी करेगा और उस पर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा।

(7) यथा उपबंधित के विनियम संयु आयोग लेखा परी अधिकारी को राजपत्र में इन नियम के काशन क% तारीख से

तीन मास के भीतर 31 मार्च, 2015 तक इसके गठन क% तारीख से अविध के लिए इन नियम में संशोधन उपाबंध में लेखा विवरण प्रस्तुत करेगा।

(8) संयु आयोग, लेखा परी क% रिपोर्ट का होने पर, उसमें उल्लिखित कसी त्रुटि अथवा अनियमितता में सुधार

करेगा और क वीय सरकार और लेखा परी अधिकारी को इसके द्वारा उस पर क% गई कारवाई के बारे में रिपोर्ट देगा।

1Hkkx IIµ[k.M 3(i)°

Hkkjr dk jkti=k % vIk/kj.k

3

4. आयोग के वांछक लेखा कथन तैयार करने का !प और समयः(1) संयु आयोग [येक वि] वर्ष के लिए वांछक लेखा प्रयौरा तैयार करेगा जिसमें निम्नलिखित को शामिल किया जाएगा, अथा त-

(i) तुलन-प;

(ii) आय और व्यय लेखा;

(iii) उपयु वितीय विवरण क% अनुसूची;

(iv) अनुदेश और लेखांकन विनियम;

(v) अनुसूचि के लिए दस्तावेज और अनुदेश;

(vi) ऋण एवं भुगतान का विवरण।

(2) वाBषक लेखा कथन अनुदेश एवं लेखांकन िसbांत तथा सभा पटल पर रखे गए कागज-प के संबंध म संसदीय समित क% िसफासरश पर िनयु क िय Uवाय) िनकाय के िलए एकप लेखा ाप संबंधी िवशेष समित ारा तैयार िमशः अनुसूची-2 एवं अनुसूची-3 म िविनLदM Sटपण एवं अनुदेश के अनुसार अनुसूची-1 और अनुसूची-4म िविनLदM ाप के अनुसार तैयार कए जाएंगे।

(3) संयु आयोग ारा उस िव)ीय वष , िजससे लेखे संबंधित है, के प्ात तीन मास के भीतर वाBषक लेखा कथन को अंतिम ाप दया जाएगा।

(5) वाषक लेखा कथन का अनुमोदनः(1)लेखा अधिकारी, िव)ीय वष के समा होने के बाद तीन मास म वाBषक लेखा

कथन तैयार करेगा और सिचव इसे अनुमोदन के िलए संयु आयोग के सम Uतुत करेगा और संयु आयोग के अनुमोदन के बाद वाBषक लेखा कथन िनयं क और महालेखा परीक अथवा उसके लेखा परी के िलए उनके ारा िनयु कसी अहय Xि को अुेषित कया जाएगा।

(2) संयु आयोग के लेखे संयु आयोग के अय, िव) काय संभालने वाले एक सदUय और सिचव ारा अधिमाणित कए जाएंगे।

6. खे इया(द के अभिलेख का संर

णः(1)संयु आयोग इन िनयम के अधीन तैयार तुलन-प , आय और Xय लेख,

तथा ाि और भुगतान लेख के अभिलेख का हयूनतम दस वष क% अविध के िलए संरण करेगा।

(3) लेखाबही और अहय संबंधित अभिलेख संयु आयोग के काया लय मरखा जाएगा और यह उ)रदायिव लेखा अधिकारी का होगा क वह यह सुिनिजत करे क लेखाबही और अहय सुसंगत अभिलेख को सही ढंग से रखा जाता है, उचित तरीके से सुरित अभिरा म संरित रखा जाता है और जब भी आवश्यक होता है, लेखा परी को उपलWध कराया जाता है।

ाधिकृत ह-ता

रकताः तुलन-प

, आय और Xय लेखे और ाि>यां और भुगतान लेखे िनदेशक (शासन) अथवा संयु आयोग ारा ाधिकृत कसी अहय ाधिकृत अधिकारी ारा हUतासरत हगे।

अनुसूची - I

उपाबंध क

िनयम 4(2)

का नाम : : : गोवा राय और संघ राय े के िलए संयु िवुत िविनयामक आयोग

क

िथित के

तुलन प

रािश - पये

	अनुसूची	चालूवष	पछलावष
संह/पूजीगतनधतथादेयताएं			
संह/पूजीगतनध	1		
आरतऔरअधशेष	2		
निचतबंदोब तीनध	3		
सुरतऋणऔरउधार	4		
असरतऋणएवंउधार	5		
आ थगतऋणदेयताएं	6		
चालूदेयताएंऔरउपाबंध	7		
योग			

आ*त			
नयतआ त	8		
+वनधाननधा,-रतबंदोब तीनधसे	9		
+वनधानअ.य	10		
चालूआ तयां, ऋणऔरअम, आ1द	11		
2क4ण,5यय(ब7ेखातेअथवासमायोिजतनह9ःकएजानेक4सीमातक)			
योग			
मह<वपूण,लेखांकननीतयां	24		
आकि मकदेयताएंऔरलेखाओंपर1ट?प@ण्यां	25		

उपाबंध ख

िनयम 4(2)

का नाम : : : : गोवा राय और संघ राय े के िलए संयु िवुत िविनयामक आयोग

----- को समा अविध/वष के िलए आय एवं \$य के

रािश - पये

	अनुसूची	चालू वष	िपछला वष
आय			
िब/सेवा से आय	12		
अनुदान/अनुषंगी	13		
फस/अिभदाय	14		
िविनधान से आय (िनधा"#रत/बंदोब%तीिनिधय से िनिध को अंत#रत िविनधान	15		
से आय) %वािम%व,)काशनआ+द से आय	16		
अ,जत.याज	17		
अ/य आय	18		
अंितम माल और चल रहे काय0म1वृि3/कमी	19		
योग(क)			
\$य			
%थापना6य	20		
अ/य)शासिनक6यआ+द	21		
अनुदान अनुषंगी आ+द पर	22		
6य	23		
.याज			
मू8य9ास (अनुसूची 8 के तः%थानीवष" के अंत म1 िनवल योग)			
योग(ख)			

°Hkkx Iµ[k.M 3(i)

Hkkjr dk jkti=k % vll/kj.k

5

\$यकतुलना मममम आय			
िवशेष आरि त को अंत#रत ():येक को िविन<द=कर1)			
सामा/यआरि त को / से अंतरण			
िनिध अधशेषसं(ह/पूंजीगत िनिध			
मह:वपूण" लेखांकन नीितयां	24		
आकि%मक देयताएं और लेखा पर	25		

उपाबंध ग

नियम 4(2)

का नाम : : : : गोवा राय और संघ राय े के िलए संयु िवुत िविनयामक आयोग

क
थित के अनुसार तुलन प के

राशि – पये

	चालू वष	पिछला वष
अनुसूची 1- सं(ह वष" के आरंभ म। शेष जोड़े: अंशदान के िलए संह/पूँजीगत निध जोड़े/(घटाएं): िनवल आय/6य का शेष अंत मममम शेष		

उपाबंधघ

नियम 4(2)

का नाम : : : : गोवा राय और संघ राये
के िलए संयु िवुत िविनयामक आयोग

क। थित के अनुसार तुलन प के

राशि – 2पये

	चालू वष	पूव वष
अनुसूची 2-आरि+त पूँजी आरि+ित अंतिम खाते के अनुसार वष" के दौरान वृि3 घटाएं: वष" के दौरान कमी पुनमू,यांकनआरि+त अंतिम लेखा के अनुसार वष" के दौरान वृि3 घटाएं: वष" के दौरान कमी िवशेष आरि+त अंतिम खाते के अनुसार वष" के दौरान वृि3		
अंतिम खाते के अनुसार वष" के दौरान वृि3		
योग		

उपाबंध ड

नियम 4(2)

का नाम : : : : गोवा राय और संघ राय े के िलए संयु िवुत िविनयामक आयोग

क
थित के अनुसार तुलन प के

राशि – पये

	यौरा योग	योग
--	----------	-----

	निधि ड-, यूड-, यू	निधि ए0स ए0स	निधि ध तार्ड	निधि जेड जेड	चालू वष	पूर्व वष
अनुसूची 3-निधि 4-निधि निधि i. संदान/अनुदान ii. निधि के लेखा पर +कए गए निधि से आय iii. अ/य निधि (वष को निधि-द=कर1)						
योग (क+ख)						
निधि के उः, य6 पूँजीगत \$य - निधि रत आ%तयां - अ/य योग राजव\$य - वेतन, मजदूरी और भा-आ+द - +कराया - अ/य शासनिक य योग						
योग (ग)						
शेष (क+ख-ग)						
#टBपणी: 1) अनुदान से संबं३शत0 के आधार पर संबंधित शीष0 के अंतग"त)कटीकरण+कया जाए। 2)क1 G/रायसरकार' से)ाH योजना निधि को पृथक निधि के Eपम1 दशा"या जाए और उ/ह1+कसीअ/य निधि के साथ नहJ िमलाया जाए।						

1Hkx IIµ[k.M 3(i)°

Hkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

7

उपाबंध च

नियम 4(2)

का नाम : : : गोवा राय और संघ राय े के िलए संयु िवुत िनियामक आयोग

क

थित के अनुसार तुलन प के

राशि - पये

	चालू वष.	पिछला वष.
सुरि तक्रण 1. क ीयसरकार 2. रायसरकार (निधिLदMकर) 3. वि)ीयसंुथान क) आविधकक्रण ख) ोभूतWयाजऔरदेय 4. बक: क) आविधकक्रण - ोभूतWयाजऔरदेय ख) अयक्रण (निधिLदMकर) - ोभूतWयाजऔरदेय 5. अयसंुथानऔरएजिसयां 6. िडबचरऔरबंधप		
योग		
ट7पण: : : एकवषकेभीतरदेयराशि		

उपाबंध छ

नियम 4(2)

का नाम : गोवा राय और संघ राय

के लिए संयुक्त विनियामक आयोग

क

स्थिति के अनुसार तुलना प के

राशि - पये

	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
अनुसूची 5-असुरित ऋण एवं उधार 1. क सरकार 2. राय सरकार (विनिदकर) 3. वि वीयसंथान 4. बंक: क) आविधक ऋण ख) अय ऋण (विनिदकर) 5. अयसंथान एवं एजिसयां 6. डिबचर और बंधप 7. नियत नि पे 8. अय (विनिदकर)		
योग		
(टपण: : : एक वर्ष के भीतर देय राशि		

उपाबंध ज

नियम 4(2)

का नाम : : : गोवा राय और संघ राय के लिए संयुक्त विनियामक आयोग

क

स्थिति के अनुसार तुलना प के

राशि - पये

	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
अनुसूची 6- थिगत ऋण देयताएं क) पूंजीगत उपकरण और अयआतय के बंधककरण कारासुरि त वीकृत ख) अय		
योग		
@टपण: : : एक वर्ष के भीतर देय रकम		

उपाबंध झ

नियम 4(2)

का नाम : गोवा राय और संघ राय के लिए संयुक्त विनियामक आयोग

क

स्थिति के अनुसार तुलना प के

राशि - पये

	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
--	-----------	------------

देयताएं और उपाबंध वर्तमान देयताएं 1. "वीकरी /ई/ंडी 2. विविध ऋणदाता: क) माल के लिए ख) अय 3. 102अ3म 4. 104भूत7याज परंतु देय नह9: क) 10ितभूत ऋण/उधार ख) अ10ितभूत ऋण/उधार 5. कानूनी देयताएं: क) अितदेय ख) अय 6. अय चालू देयताएं				
योग (क)				
ख. . . . उपाबंध 1. कराधान के लिए 2. उपादान 3. अधवःषता/पशन 4. संचित अवकाश नकदीकरण 5. <ेड वारंटी/दावे 6. अय (विनिदकर)				
योग (ख)				
योग (क+ख)				

¹Hkkx IIµ[k.M 3(i)^o

Hkkjr dk jkti=k % vll/kj.k

9

उपाबंध ज

नियम 4(2)

का नाम : : : : गोवा राय और संघ राय

के लिए संयु विवृति विनियामक आयोग

क

स्थिति के अनुसार तुलन प सिंहत अनुसूची

राशि - पये

8 - नियत आतयां										
.यौरा	सकल .लॉक				मूमूमू।य2ास				निवल .लॉक	
	वष केकेकेके आरंभ लागत/मू।यांक न	वष केके केके केके दौरान वृि4	वष केके केके केके दौरान कमी	वष केकेकेके केकेकेके अंत मममम ब्राम्म/	वष केकेके केकेके के आरंभ मममम	वष केके केके केके दौरान वृि4	वष केके केके केके दौरान कमी	वष केकेके केकेके के अंत तक योग	वर्तमान वष केकेके के अंत मममम	पिछले वष केकेकेके केकेकेके अंत मममम

1. भूमि क) पूर्ण. "वाणिज्य-व वाली भूमि ख) पट्टे वाली भूमि 2. भवन क) पूर्ण. "वाणिज्य-व वाली भूमि पर ख) पट्टे वाली भूमि पर ग) "वाणिज्य-व वाले @लैट/पटरसर घ) भूमि, जो कंपनी से संबंधित नहै, पर सुपर निर्माण 3. संयंत्र, , , , मशीनरी उपकरण 4. वाहन और 7फ8सचर यालय उपकरण कंप्यूटर संबंधी उपकरण इलेक्ट्रिक:कस्थापन										
योग वतमान वर्ष										
पिछला वर्ष										
बढ़े @गित										
योग										
उपयुक्त सहित										

पमममम(ट*पणी

उपाबंध ट

नियम 4(2)

का नाम : : : : गोवा राय और संघ राय के लिए संयुक्त विनियामक आयोग

क
थित के अनुसार तुलन प के

राशि - पये

	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
अनुसूची 9- निधा(रत 1. सरकारी निधितयडम 2. अयअनुमोदत निधितयां 3. शेयर 4. डिबचर और बंधप 5. अनुषंगी कंपनियां और संयुक्त 6. अय (विनिदकर)		
योग		

उपाबंध ठ

नियम 4(2)

का नाम : : : : गोवा राय और संघ राय के लिए संयुक्त विनियामक आयोग

क
थित के अनुसार तुलन प के

राशि - पये

	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
विनिधान - अथ 1. सरकारी ितभूितयDम 2. अथअनुमोEदत।ितभूितयां 3. शेयर 4. िडबचर और बंधप 5. अनुषंगी कंपिनयां और संयुउम 6. अथ (िविनदकर)		
योग		

उपाबंध ड

िनयम 4(2)

का नाम : : : गोवा राय और संघ राय
े के िलए संयु िवुत िविनयामक आयोग

क
थित के अनुसार तुलन प के

राशि - पये

	वतमान वर्ष	पिछला वर्ष
वतमान आतयां वतमान आतयां 1. माल सूची: क) भंडार एवं फालतू पुजH ख) खुले औजार ग) साज-सामान पCरसित माल चल रहे काय. कJासाम3ी		

¹Hkx IIμ[k.M 3(i)°

Hkkjr dk jkti=k % vIk/kj.k

11

2. 1कKण. ऋणदाता: क) छह मास से अधिक अविध के िलए बकाया ऋण ख) अथ 3. हाथ म नकदी (चेक/Lा@ट और अउदाय सहित) 4. ब%क शेष: क) अनुसूचित ब%कD के पास: -चालू खाते म -जमा खाते म (सीमांत धन सहित) -बचत खातDम ख) गैर-अनुसूचित ब%कD के पास: -चालू खाते म -जमा खाते म -बचत खातDम 5. डाक घर - बचत खाता				
योग (क)				

ख. . . ऋण, , , , अिएम 1. ऋण: क) कम.चारीवृंद ख) अयकंपिनयD के समान काय.कलापD/उNेOयDम लगी अय कंपिनयां ग) अय (िविनदकर) पमममम अथवा अ?य रािशयां क) पूंजीगत खाते म ख) पूव. भुगतान ग) अय @ोGभूत आय क) िनधा.रत/बंदोब"तिनिधयD से िविनधान पर ख) िविनधान पर – अय ग) ऋण और अि3म पर घ) अय (देय, 1ा2नह9 कK गई आय सिहत - Pपये) *य दावे				
योग (ख)				
योग (क+ख)				

उपाबंध ढ

िनयम 4(2)

का नाम : : : गोवा राय और संघ राय े के िलए संयु िवुत िविनयामक आयोग

----- को

पमममम अनुसूिचयां

रािश – पये

	चालू वष	िपछला वष
अनुसूची 12 सेवाJ सेसेसेसे आय 1)िबािबा सेसेसेसे आय क) अंतिम माल कKिबQK		
सेवाJ सेसेसेसे आय क) Rम और 1Qमण1भार ख) वृितक/परामशS सेवाएं ग) अभिकरण का कमीशन और दलाली घ) अनुर ण सेवाएं (उपकरण/संपि)		
योग		

उपाबंधण

िनयम 4(2)

का नाम : : : गोवा राय और संघ राये

के िलए संयु िव"ुत िविनयामक आयोग

----- को

!पम/म/म/म/अनुसूिचयां

रािश –

2पये

	चालू वष.	िपछला वष.
--	----------	-----------

आथकसहायता (अ) अतिसंहरणीय अनुदान एवं आर्थिक सहायता 1) क) राज्य सरकार 2) राज्य सरकार (र) 3) सरकारी एजिसियां (अभिकरण) 4) संयुक्त/क्याणिनकाय 5) अंतरा राज्य संगठन 6) अर्थ (विनिर्देशनकर)		
योग		

उपाबंधत
नियम 4(2)

का नाम : : : : गोवा राय और संघ राये
के लिए संयुक्त विनियामक आयोग
----- को

!पम/म/म/म/अनुसूचियां
राशि -

2पये

	चालू वर्ष.	पिछला वर्ष.
फ) स/अंशदान 1) वेशफ%स 2) वा) षकफ%स/अंशदान 3) संगोम/काय मफ%स 4) परामशnफ%स		
योग		
ट) पण - एक मद के लिए लेखांकन नीति का कटीकरण का जाना है।		

!Hkkx II μ[k.M 3(i)°

Hkkjr dk jkti=k % v[k/kj.k

13

उपाबंधत
नियम 4(2)

का नाम : : : : गोवा राय और संघ राये
के लिए संयुक्त विनियामक आयोग
----- को

!पम/म/म/म/अनुसूचियां
राशि - 2पये

	चालू वर्ष.	पिछला वर्ष.
विनिधान से से से आय (निधय से अंतः सतिनधा सत/बंदोबत निधय से विनिधान पर आय) 1) : याज क) सरकारी तित भूतिय पर ख) अर्थ बंधप/डिबचर 2) लाभांश क) शेयर पर ख) पारप सतक निधित भूतिय पर 3)))) (कराया 4) अर्थ (विनिर्देशनकर)		
योग		

निधा.रत/बंदोब-त				
-----------------	--	--	--	--

उपाबंध

नियम 4(2)

का नाम : : : : गोवा राय और संघ राये

के िलए संयु िव"ुत िविनयामक आयोग

----- को

!पम/म/म/म/अनुसूिचयां

रािश -

2पये

	चालू वष.	िपछला वष.
रॉय?टी, , , , काशन		
1) रॉयटीसेआय		
2) काशनसेआय		
3) अलय (िविनLदMकर)		
योग		

उपाबंध

नियम 4(2)

का नाम : : : : गोवा राय और संघ राये

के िलए संयु िव"ुत िविनयामक आयोग

----- को

!पम/म/म/म/अनुसूिचयां

रािश - 2पये

	चालू वष.	िपछला वष.
अजत:याज		
1)))) आविधक िन		
ेप		
क) अनुसूिचितब\कम		
ख) गैर-अनुसूिचितब\कम		
ग) संउथानम		
घ) अलय		
बचतखाते		
क) अनुसूिचितब\कम		
ख) गैर-अनुसूिचितब\कम		
ग) डाकघरबचतखाता		
घ) अलय		
ऋणपर		
क) कम चारी/कम		
चारीवृंद		
योग		
ट7पण- पोतपरकाटेगाएकरकोउपद8शतकयागयाहै।		

उपाबंध

नियम 4(2)

का नाम : : : : गोवा राय और संघ राये

के िलए संयु िव"ुत िविनयामक आयोग

----- को

!पम/म/म/म/अनुसूिचयां

राशि - 2प

	चालू वष.	पिछला वष.
अनुसूची 18 आ-तय=केकेकेकेकेनपटान क) उवािमवआउतयां: ख) अनुदानसेअधुहितआउतयांअथवािन:शुका> 2) वसूलागयािनया तोसाहन 3) क%ण सेवाकेलएफ%स 4) विविधआय		
योग		

1Hkkx IIµ[k.M 3(i)°

Hkkjr dk jkti=k % vll/kj.k

15

उपाबंधप

नियम 4(2)

का नाम : : : : गोवा राय और संघ राये
के लिए संयु वि"ुत विनियामक आयोग
----- को

!पम/म/म/म/अनुसूचियां

राशि -

2पये

	चालू वष.	पिछला वष.
परसिFतव-तुGक) अंतिमउटॉक - अंतिम माल - चलरहेकाय ख) घटाएं: ारंभिकउटॉक - अंतिम माल - चलरहेकाय		
निवलवृिH		

उपाबंधफ

नियम 4(2)

का नाम : : : : गोवा राय और संघ राये
के लिए संयु वि"ुत विनियामक आयोग
----- को

!पम/म/म/म/अनुसूचियां

राशि -

2पये

	चालू वष.	पिछला वष.
-थापना8य क) वेतनऔरमजदूरी ख) भ)ेएवंबोनस ग) भिवयिनिधकेलिएअंशदान घ) अHयिनिधकेलिएअंशदान (िविनLदMकर) ङ) कम चारीकयाणXय च) कम चारीसेवािनवृि)औरअंतिमलाभपरXयछ) अHय		
योग		

उपाबंध

नियम 4(2)

का नाम : : : : गोवा राय और संघ राये
के लिए संयु वि"ुत विनियामक आयोग
----- को

!पम/म/म/म/अनुसूचियां

राशि -

2पये

अCयशासिनक		
क) खरीद		
ख) तमएवंमणXय		
ग) आवकभाड़ाऔरमालभाड़ा		
घ) इलेिस्तकऔरवि"ुत		
ङ) जलभार		
च) बीमा		
छ) मर\$मतऔर अनुरण		
ज) उ[पादशुक		
झ) कराया, दरऔरकर		
ञ) वाहनचलानाऔररख-रखाव		
ट) डाक, टेलीफोनऔरसंचारभार		
ठ) मुणऔरलेखनसामग्री		
ड) या		
ाऔरपSरवहनXय		
ढ) संगोimी/काय शाला?परXय		
ण) अभिदानXय		
त) फ%सपरXय		
थ) लेखापरीककोपाSरििमक		
द) आितयXय		
ध) पेशेवरभार		
न)		
डूबंतएवंसंदेहाUपदक्रण/अिगुमकेलिएउपाबंधप)		
बवेखातेडालागयाअितसंहरणीयशेष		
फ) पैZकगभार		
ब) मालभाड़ाऔरजावकXय		
भ) वितरणXय		
योग		

उपाबंध

नियम 4(2)

का नाम : : : : गोवा राय और संघ राये
के लिए संयु वि"ुत विनियामक आयोग
----- को

!पम/म/म/म/अनुसूचियां

राशि - 2पये

अनुदान, , , , आथक	चालू वष.	पिछला वष.
क) संUथान/संगठनकोदएगएअनुदान		
ख)		
योग		

ट7पणी - असितवकेनामउनकेकाय कलापऔरअनदान/आBथकसहायताक%रािशसिहतकटीकरणकयाजाना		
--	--	--

Hkkx Ilμ[k.M 3(i)°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

17

उपाबंधम

िनियम 4(2)

का नाम : : : : गोवा राय और संघ राये

के िलए संयु िव"ुत िविनयामक आयोग

----- को

!पम/म/म/म/अनुसूिचयां

रािश -

2पये

	चालू वष.	िपछला वष.
अनुसूची 23		
क) िनयत उधारपर		
ख) अमयकरणपर (बकभारसिहत)		
ग) अमय (िविनLदMकर)		
योग		

उपाबंध य

िनियम 4(2)

असितव का नाम : : : : गोवा राय एवं संघ राये

के िलए संयु िव"ुत िविनयामक आयोग

को समा अविध/वष. के िलए लेख= के िलए भाग के !प म/ अनुसूची

अनुसूची-24 मह'वपूण. लेखांकन नीितियां

(8ाMया'मक)

1. लेखा अभिसमय

िव)ीय िववरण णितहािसक लागत करार के आधार पर,जब तक क अमयथा डिलिखत न हो और लेखांकन संग्रहण पबित के आधार पर तैयार किया जाता है।

2. तालिका मू'यांकन

2.1 भंडार और फालूत पुजx (मशीनरी उपकरण सहित) का मूय लागत पर िनधा ऽरत किया जाता है।

2.2 कया माल, आंिशक ंप से तैयार माल, और तैयार माल का मूय िनधा रण मयूनतम लागत और वसूलने योय िनवल मूय पर किया जाता है। ये लागत भाऽरत औसत लागत पर आधाऽरत ह। तैयार माल और आंिशक ंप से तैयार माल क% लागत सामग्री, रम और संबंधित ऊपरी खच को यान म रखते 9ए तय क% जाती है।

3. िविनधान

3.1 "दीघ कालिक िविनधान"के ंप म वगनकृत िविनधान लागत पर आकिलत किया जाता है। मूय ऽास के िलए उपाबंध, अुथायी के अितऽर, ऐसे िविनधान क% लागत पर रखा जाता है।

3.2 "चालू"के ंप म वगनकृत िविनधान मयूनतम लागत और उचित मूय पर आकिलत कए जाते ह। ऐसे िविनधान के मूय म कमी का उपाबंध पृथक ंप से िवचार म लाए गए [येक िविनधान के िलए किया जाता है न क वैिक आधार पर। 3.3 लागत म अधिगृहण xय जैसे ़ोकरेज, अंतरण Uटै\$प शािमल होती ह।

4. उ'पाद शु'क

असितव िनया त के अितऽर, ाराउ[पादन कए जाने वाले माल के संबंध म उ[पाद शु'क के िलए देयता, उ[पादनकता क% ितुपबा पर आकिलत क% जाती है और वष के अंत म उ[पाद शु'क योय िविनिमत माल के िलए उपाबंध किया जाता है।

5. िनयत आ-तयां

5.1 िनयत आउतयां अधिगृहण लागत पर आकिलत क% जाती ह िजसम आवक माल-भाड़ा, शु'क और कर तथा अधिगृहण

से संबंधित आकिउमक और [य Xय शामिल होते हैं। उन पसरयोजना? के संबंध में निम्नलिखित, चालन-पूर्व संबंधित

Xय (विशेष पसरयोजना के लिए इसके पूरा होने से पूर्व ऋण पर व्याज सहित) शामिल होते हैं, जो पूंजीकृत आयु के

मूल्य के भाग के रूप में है।

5.2 गैर-मौक अनुदान (संग्रह निधि के लिए, के अतिरिक्त) द्वारा नियत आयुतयों का पूंजीकरण पूंजीगत ऋण के

लिए समतुल्य ऋण द्वारा तय मूल्य पर किया जाता है।

6. अवमूल्यन

6.1 नियत आयुतयों, निम्नलिखित पसरशोधन संबंधित पसरसंपत्ति के शेष जीवनकाल पर आकलन किया जाता है, के अधिग्रहण के लिए विदेशी मुद्रा देयता के पसरवतन के कारण उत्पन्न होने वाले लागत समायोजन संबंधी अवमूल्यन के छोड़कर

आयकर अधिनियम, 1961 में विनिर्दिष्ट दर के अनुसार ऋण पर अवमूल्यन किया जाता है जो संबंधित आयुतय

के शेष जीवनकाल का तुलना में पसरशोधन किया जाता है।

6.2 वर्ष के दौरान अचल आयुतय से होने वाली वृद्धि/कटौत के संबंध में, यथानुपात आधार पर अवमूल्यन पर विचार किया जाता है।

6.3 5,000 ...प्रतिवर्ष इससे कम लागत वाली (प्रति पसरसंपत्ति) के लिए पूर्णतः उपाबंध किया जाता है।

7. ... विविध 8य

जिस वर्ष में Xय 9आ है, से 5 वर्ष के अविध के बाद पृथगत राजपत्र Xय को बचे खाते में डाला जाता है।

8. बिजली के लिए लेखांकन

बिजली में उत्पाद शुल्क और निवल बिजली, छूट और खापार छूट शामिल होती हैं।

9. सरकारी अनुदान/अनुषंगी सहायता

9.1 पसरयोजनाएं उत्पादित करने के लिए पूंजीगत लागत के योगदान के रूप में सरकारी अनुदान को पूंजी ऋण के

रूप में माना जाता है।

9.2 अर्जित का गैर विनिर्दिष्ट नियत आयुतय के संबंध में अनुदान को संबंधित आयुतय का लागत से घटाकर दशा या

जाता है।

9.3 सरकारी अनुदान/आवश्यक सहायता को आधार पर शामिल किया जाता है।

10. विदेशी कर/सी का संवहार

10.1 विदेशी मुद्रा में पसरभाषित लेन-देन के लेखे लेनदान मंचित विनिर्दिष्ट दर पर तैयार किए जाते हैं।

10.2 चालू आयुतय, विदेशी मुद्रा ऋण और चालू देयता? को वर्ष के अंत में चिलत विनिर्दिष्ट दर पर पसरवर्तित किया

जाता है और यदि विदेशी मुद्रा देयता नियत आयुतय से संबंधित होती है तो पसरणामी लाभ/हानि को नियत आयुतय का लागत में

समायोजित किया जाता है और अग्रिम मामल में इसे राजपत्र के रूप में माना जाता है।

11. पंप

कराए के रूप में पर Xय को पर के निबंधन के संदर्भ माना जाता है।

12. सेवानिवृत्ति फायदा

12.1 कम चारय का मूल्य/सेवानिवृत्ति पर भुगतान का जाने वाली उपदान का दायित्व बोमांकक मूल्य के आधार पर

निकाल

क्या जाता है।

12.2 कम चासय के िलए अपनी संचित छुवी नकदीकरण फायदा के ावधान इस पसरकपना के आधार पर ौकभूत और

संकिलत कए जाते ह\ क कम चारी [येक वष के अंत म इस फायदा को ा करने के िलए पा ह\।

उपाबंधकक

िनयम 4(2)

का नाम: :: गोवा राय और संघ राय े
कासंयु िव"ुत िविनयामक आयोग

----- को

वाली अनुसूचियां

ट7पिणयां (उदाहरणात्मक)

1. आकि-मकदेयताएं

1.1 असित[वके ितदावे िजHहऋणनहYमानागया - पये (िपछलेवष पये)

1.2 िन;िलिखतकेसंबंधम:

- िनकायारा/क%ओरसेदीर्गईब\क\याभूतियां पये (िपछलेवष पये)

- असित[वक%ओरसेब\काराखोलोगएसाख-प - ...पये, (िपछलेवष पये)

- ब\कसेछूटद)िबल पये (िपछलेवष पये)

1.3 िन;िलिखतकेसंबंधमिववादतमांग:

आयकर पये (िपछलेवष पये)

िब\%कर पये (िपछलेवष पये)

नगरकर पये (िपछलेवष पये)

1.4 आदेशका िन\पादननकएजानेके िलए, पकेदाव, िजनका िनकायारा िवरोधकयागयाहै, केसंबंधम - __

.....पये (िपछलेवष पये)

2. पूंजीगतितब\हताएं

पूंजीगतलेखापरिन\पादतकएजानेके िलए, तथा िजनके िलएXवUथानहYक%गईहै, शेषसंविदा?का अनुमा िनतमूय (शु\अि\म) पये (िपछलेवष पये)

3. पPाबारयताएं

संयं औरमशीनरीके िलएप\ाIXवUथा िव)पोषणके अंतग तकरायेके िलए पये (िपछलेवष पये) तकक%रा िशका भावीदा िय\व

4. वत.मानआ-तयां

बंधनके िवचारम, वत मानआUतय, ऋण औरअि\मका कारबारके सामाHय\मम, समानआधारपरवसूलीहोनेपर मूयरा िशुतलनपमदशा ईगईसकलरा िशक%तुलनामकमहोताहै।

5. कराधान

आयकरअधिनयम, 1961 केअधीनकोईकरयो\यआयनहोनेके पSरे\यम, आयकरके िलएकसीउपाबंधकोआवांयकनहYसमझागया।

6. िवदेशीकर/सी सं8वहार

6.1 सीआईएफआधारपरगणनाकएगएआयातकामूय:

- तैयारमालकाHय

- कॆमलऔरसंघटक (माग Uथसिहत)
- पूंजीगतमाल
- भंडार, अितSR पुजxएवंखपत योzय।
- 6.2 विदेशीमुामXय
(क) या
- ा
- (ख) विीयसंUथान/ब ककोविदेशीमुामधनेषणऔरWयाजभुगतान
- (ग) अHयXय
- विाथपरकमीशन
- विविधकऔर वृितकXय
- क%ण Xय
- 6.3 आयः
एफओबीआधारपरिनया तमूय
- 6.4
- लेखापरीककोपाSRतमिकः लेखापरीककेपम
- कराधानमामले
- बंधनसेवा?केिलए
- माणीकरणहेतु
- अHय
- 7. िपछलेवषकेतदनुपीआंकड़को, जहाँआवायकहै, पुनःएकि
त/पुनःXविUथतकयागयाहै।
- 8. अनुसूची 1 से 25 को
- परदएगातुलनपकेसाथसंलRकयागयाहैऔरयहतुलनपकाएकअिनवायभागहैऔरउ
तारीखकोसमावषकेिलएआयऔरXयकालेखाहै।

अनुसूची-2
लेखािसिHांत
िनयम 4(2)

नामःगोवारायऔरसंघ राय े
कासंयु वि"ुतिविनयामकआयोग

1. गैरलाभकारीऔरअHयसमानसंगठनकेविीयिववरण (अथा तुलनपऔरआयतथाXयलेखा)
ािेकेआधारपरतैयारकएजाएंगे, सुझावकेपमहगे, यायथासंभवउसकेिनकटहगे।
यदइसउपाबंधमकसीमदअथवाउप.मदयथािUथित केअंतग
तदीजानेवालीअपेितसूचनाकोयथािUथिततुलनपयाआयऔरXयलेखेमसुिवधाजनकपसेशािमलनहYकयाजासकताहैतो
इसेएकपृथकअनुसूचीयातुलनपयाआयऔरXयलेखाकेसाथसंलRक%जानेवालीऔरइसकाभागबननेवालीअनुसूिचयमदशा
याजासकताहै। इसक%िसफाSRशवहाँक%जातीहैजहाँविषयअधिकहोतेह।

2. तुलनपऔरआयएवंXयलेखातैयारकरनेमअपनाईगईसभीमहवपूणलेखानीितयकेकथनकोविीयिववरणमशािमलकया
जाएगा, औरमहवपूणलेखानीितयकोएकहीUथानपरदशा
याजाएगा। लेखानीितयांविनLदMलेखािसbांततथाविीयिववरणकोतैयारकरनेमिनकायाराअपनाएगाउनिसbांत
कोलागूकरनेक%यासेसंबंधितहोतीह। यदकोईलेखानीितलेखामानककेअनुपनहYहै,
औरलेखामानकसेविचलनकाभावसारभूतहै

¹Hkkx Iµ[k.M 3(i)°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

21

तोविचलनकेिववरणको, उसिUथितकोछोड़करजहाँऐसेभावकापतानहYलगताहै,
उसकेकारणतथाविीयभावसिहतदशा याजाएगा।

3. लेखानीितयांएकिविीयवषसेअगलेविीयवषतकिनरंतरलागूक%जाएगी। लेखानीितयमकसीपSRवत न को,
जिसकावत मानअविधमसारभूतभावहैयाइसकेबादक%अविधयमहोनेक%संभावनाहै, दशा
याजाएगा। लेखानीितयमकसीपSRवत न, जिसकावत मानअविधमकोईसारभूतभावहै,
क%िUथितमवहरािशजिसकेाराविीयिववरणमकसीमदपरउसपSRवत नाराभावपड़ताहै, कोउससीमातकदशा
याजाएगाजिससीमातकउसकापतालागायाजासकताहै। यदऐसीरािशकापताआंिशकपसेयापूणपसेनहYलगायाजासकता

है तो इस तथ्य को भी दशा या जाएगा।

4. सं. ख. व. ह. र. और मा. म. ल. के तुलन पतथा आय और X. य. ले. खे. का ले. खा. उ. प. च. र. और U. तु. ती. क. र. ण. उ. न. के स. आ. रा. ही. शा. ि. स. त. हो. गा, उनके विध. क. ं. प. मा. रा. ही. शा. ि. स. त. न. ह. Y. हो. गा।

5. तुलन प. और या. आय और X. य. ले. ख. मा. म. द. के ले. खा. उ. प. च. र. और द. शा. ने के ढ. ग. का अ. व. घ. S. ट. त. क. र. ने. म, भा. व. क. % मा. ा. क. % ध. रा. ण. आ. प. र. उ. च. ति. व. च. आ. र. क. या. जा. ए. गा।

6. स. भी. ं. ा. त. दे. य. ता? और हा. नि. य. के ि. ल. ए. उ. पा. बं. ध. क. या. जा. ए. गा. चा. हे. रा. ि. श. का. नि. धा. र. ण. पू. री. स. टी. क. ता. से. न. क. या. जा. स. क. ता. हो. (औ. र. उ. पा. बं. ध. क. % रा. ि. श. उ. प. ल. W. ध. सू. च. ना. को. या. न. म. र. ख. ते. 9. ए. के. व. ल. स. व. □) म. अ. न. उ. मा. न. के. अ. न. उ. स. आ. र. हो. ती. है।

'उ. पा. बं. ध.' से अ. भे. त. है जो उ. स. रा. ि. श. से है जो मू. य. } ा. स,

न. वी. क. र. ण. या. आ. U. त. य. के. मू. य. म. क. मी. के ि. ल. ए. X. व. U. था. क. र. के. ब. े. खा. ते. डाली. गई. हो. अ. थ. वा. र. खी. गई. हो. या. को. ई. ऐ. सी. ं. ा. त. दे. य. ता, ि. ज. स. क. % रा. ि. श. का. नि. धा. र. ण. पू. री. स. टी. क. ता. से. न. क. या. जा. स. के, के ि. ल. ए. X. व. U. था. क. र. ने. के. आ. र. ख. आ. ग. या. हो।

आ. कि. U. म. क. हा. नि. के ि. ल. ए. उ. पा. बं. ध. क. या. जा. ए. गा, य. द:

(क) यह सं. भा. वि. त. है कि व. द. य. के मा. म. ले. इ. स. बा. त. क. % पु. ि. M. क. र. गे. क. क. सी. सं. बं. ध. त. सं. भा. X. व. सू. ली. को. या. न. म. र. ख. ते. 9. ए,

को. ई. प. S. र. स. पि. ि. त. U. त. हो. गई. है या तु. ल. न. प. क. % तारी. ख. प. र. क. सी. दा. ि. य. [व. का. व. ह. न. क. या. ग. या. है,

औ. र. (ख) प. S. र. ण. मा. U. व. ं. प. हो. ने. वाली. हा. नि. क. % रा. ि. श. का. उ. च. ता. □ ल. न. ला. ग. या. जा. स. के।

य. द. उ. प. य.

श. ता. म. से. क. सी. श. त. को. पू. रा. न. ह. Y. क. या. जा. ता. है तो आ. कि. U. म. क. हा. नि. के. मौ. जू. द. हो. ने. को. आ. य. ए. वं. X. य. ले. खे. क. %

S. ट. c. प. णी. के. मा. य. म. से. द. शा. या. जा. ए. गा. य. द. हा. नि. क. % सं. भा. व. ना. H. यू. न. त. म. न. हो. तो।

7. य. द. क. सी. रा. ि. श. को, आ. U. त. य. के. मू. य. म. मू. य. } ा. स,

न. वी. क. र. ण. या. ि. त. के ि. ल. ए. X. व. U. था. रा. ब. े. खा. ते. डाला. जा. ता. है या र. खा. जा. ता. है या व. ह. रा. ि. श, ि. ज. से. इ. स. उ. □ े. ि. य. के

िल. ए. आ. व. ि. य. क. मा. ना. जा. ए,

से. अ. ध. क. क. % क. सी. ं. ा. त. दे. य. ता. क. % X. व. U. था. क. र. के. र. खा. ग. या. है तो इ. स. अ. ध. क. रा. ि. श. को. आ. रि. त. रा. ि. श. के. ं. प. म. मा. ना. जा. ए. गा,

उ. पा. बं. ध. के. ं. प. म. न. ह. Y।

8. राज. U. व. को. मा. H. य. त. आ. न. ह. Y. दी. जा. ए. गी. ज. ब. त. क. क:

(क) सं. बं. ध. ति. न. प. दा. ना. > क. र. ि. ल. या. ग. या. है;

(ख) वि. च. आ. र. णी. य. रा. ि. श. के. सं. बं. ध. म. को. ई. म. ह. [व. पू. ण. अ. नि.] त. ता. वि. "मा. न. न. ह. Y. है; और

(ग) व. सू. ली. और अं. ति. म. सं. ह. ण. क. % आ. शा. क. र. ना. उ. च. त. न. ह. Y. है।

9. आय और X. य. ले. ख. मि. न; ि. लि. ख. त. के. सं. बं. ध. म. पृ. थ. क. ं. प. से. द. शा. या. जा. ए. गा:

(क) "पू. व. अ. वि. ध." म. द, ि. ज. स. म. ए. क. या. अ. ध. क. पू. व. अ. वि. ध. य. के. वि.)ी. यि. व. व. र. ण. क. र. ते. तै. या. र. क. र. ने. म. ग. लि. त. य. और लो. प. के. प. S. र. ण. मा. U. व. ं. प. व. त. मा. न. अ. वि. ध. म. हो. ने. वाली. आय. या. X. य. क. % स. आ. र. भू. त. सा. म. ह. ी. शा. मि. ल. हो।

(ख) "अ. सा. धा. र. ण." म. द, जो. क. आय. या. X. य. क. % स. आ. र. भू. त. म. द. ह, जो. उ. न. घ. ट. ना. ? अ. थ. वा. सं. X. व. ह. आ. र. से. उ. [प. □ हो. ती. है. जो ि. न. का. य. क. % सा. मा. H. य. गि. ति. वि. ध. य. से. U. P. M. ं. प. से. ि. भ. □ ह. और इ. स. ि. ल. ए. इ. न. के. ि. न. रं. त. र. या. ि. न. यि. म. त. ं. प. से. घ. S. ट. त. हो. ने. क. % सं. भा. व. ना. न. ह. Y. है।

(ग) "क. % ण. आय शी. ष." के. अं. त. ग. त. को. ई. म. द. जो. ि. न. का. य. के. कु. ल. वा. B. ष. क. का. रो. बा. र. कु. ल. आय. के. । ि. त. श. त. से. अ. ध. क. या. 50,000/- ... प. ये, इ. न. म. से. जो. भी. या. दा. हो, इ. से. आय. ए. वं. X. य. ले. ख. मा. उ. प. य. ले. खा. शी. ष. म. द. शा. या. जा. ए. गा।

(घ) "क. % ण. X. य." शी. ष. के. अं. त. ग. त. को. ई. म. द. जो. ि. न. का. य. के. कु. ल. वा. B. ष. क. का. रो. बा. र. के. । ि. त. श. त. से. अ. ध. क. या. 50,000/-

... प. ये, इ. न. म. से. जो. भी. या. दा. है, इ. से. आय. और X. य. ले. ख. मा. उ. प. य. जा. ए. गा।

शी. ष. म. पृ. थ. क. और ि. भ. □ म. द. के. ं. प. म. द. शा. या

10. उ. पा. बं. ध. मि. वि. न. L. द. M. अ. न. उ. सू. चि. यां,

ले. ख. नी. ति. यां. त. था. वि. व. र. णा. [म. क. S. ट. c. प. णी. वि.)ी. यि. व. व. र. ण. का. एक. अ. नि. वा. य. भा. ग. ह. गे. । 11. तु. ल. न. प. और आय. ए. वं. X. य. ले. खे. के. S. ट. c. प. णी

म. तु. ल. न. प. त. था. आय. ए. वं. X. य. ले. खे. म. म. द. से. सं. बं. ध. ति. व. र. णा. [म. क. सा. म. ह. ी. हो. गी।

12. तु. ल. न. प. और आय. ए. वं. X. य. ले. ख. म. द. ए. ग. ए. आं. क. इ. को. य. दि. न. क. ट. त. म. अं. क. त. क. पू. रा. क. या. जा. ता. है तो व. हि. न; व. त्. ं. प. से. क. या. जा. ए. गा:

वा. ष. क. का. रो. बा. र	ि. ना. ि. लि. ख. त. अं. क. क. र. ना. (2 प. ये
ए. क. ला. ख. से. क. म	सौ
ए. क. ला. ख. या. उ. स. से. अ. ध. क. Z. क. त्. ए. क. क. रो. इ. से. क. म	ह. ज. आ. र

एक करोड़ या उससे अधिक Z कतु सौ करोड़ से कम	लाख
सौ करोड़ या उससे अधिक Z कतु एक हजार करोड़ से कम	करोड़

13. सुझावित फॉर्म X टके संबंधम संकलन हेतु संलग्न RS टल पिणय एवं अनुदेश पर भी संदभ दए जाएं।

अनुसूची - 3
ट 7 पिण्यां और
नियम 4(2)

नाम: गोवाराय और संघ राय े

कासंयु िव"ुति विनयामक आयोग

पूंजी गतिनिध

पूंजी गतिनिध

क) संह/पूंजी गतिनिध पूंजी, शेयर पूंजी या U वामीक % िनिधय के समान है। इस म आय एवं X य लेखाम दशा एग ए शु b प S र चालन प S रणामारा बढा एग ए/क म क एग ए के^ प मि व शेष^ प से संह म द एग ए अंश दान के मायम सो > रा ि शयां (आध s य से अित S र, य द कोई है, िज से आरित या िन धा S र त िनिध म अंत S र त क र द या ग या है) शा ि म ल ह। ख) संह/पूंजी गतिनिध क % ां र ि भ क शेष रा ि श उ स म अभ वृ ि ब यां, क टौ ि त यां और अंत शेष रा ि श को इ स शी ष के अंत ग त द श या जा ए गा। ग) संह ि निध म कोई भी वृ ि क सी कानून प S र नियम या ला गू ि विनयम के अनुसार अपे ि त क सी आरित या िन धा S र तिनिध म शु b अंतरण, य द कोई है तो, होगी।

आरि

त और

पूंजी गत आर

"पूंजी गत आरित" अभि X ि म आय एवं X य लेख के मायम से ि व तरण के ि ल ए मु * ां र ि भ क शेष

मानी गई कोई रा ि श शा ि म ल न ह Y होगी। पुनः मूयांकन पर अधिशेष को पूंजी गत आरित * वष के दौरान अभ वृ ि

के^ प म माना जाना चा ि ह ए और पृ थ क^ प से द श या जा ना चा ि ह ए। ि व देशी शाखा, य द * वष के दौरान क टौ ि त यां

कोई है तो, के ि व) ी यि व व र ण के प S र व त न पर अधिशेष कोई पुनः मूयांकन आरित न ह Y

होगा।

मू?यांकन आरि

त प S र व B त त होती 9 ई क % म त के भाव को ि त ि बि ब त क र ने के ि ल ए, अ म य था ि त U था ि प त * ां र ि भ क शेष ि त हा ि स क ला ग त पर द श ई ग र् ई न धा S र त आ U त यां ि ज न का पु नः मूयांकन सामा म य त या * वष के दौरान अभ वृ ि स म मूयांकन क ता ? ा रा क या जा ता है। ऐ सा ि व क प, िज स से ऊ प री पु नः मूयांकन * वष के दौरान क टौ ि त यां 9 आ है,

"पुनः मूयांकन आरित" के^ प म द श या जा ना अपे ि त है। यह आरित एक

व सूल न क या ग या ला भ है और इ से आय एवं X य लेख म आय के^ प म न ह Y द या जा ना चा ि ह ए।

¹Hk kx Πμ[k.M 3(i)°

Hk kjr dk jkti=k % v l k/kj.k

23

िवशेष आरि

त इस म अस त [व पर ला गू क सी कानूनी अथ वा ि विनयाम क आ व ि य क ता के अनु^ प सृ ि ज त * ां र ि भ क शेष

क ए ज ने वा ला अपे ि तिव शेष आरित शा ि म ल हो गा; और य द ऐ सा है, तो इ से * वष के दौरान अभ वृ ि अनुसूची 27

म लेख पर S ट ल पिणय म U प M क या जा ना चा ि ह ए।

* वष के दौरान क टौ ि त यां

साधारण आरि

त "साधारण आरित" प द का अ थ पूंजी ग त आरित और पु नः मूयांकन आरित से इ त र * ां र ि भ क शेष

कोई भी अ म य आरित हो गा। इस म द म पृ थ क^ प से व ग ण कृत आरित से इ त र स भी * वष के दौरान अभ वृ ि आरित शा ि म ल हो गे।

* वष के दौरान क टौ ि त यां

ट 7 पिण्यां-साधारण

(क) आरित क % ि वि भ ि ण य म ग ति वि ध इ स त र ह से द श ए ज ने चा ि ह ए जै से क अनुसूची म उ प द B श त है।

(ख) "आरित" प द म आ U त य के मूय म मूय } ा स,

न वी क र ण या ि त के ि ल ए X व U था रा को ब र् वे खा ते डाली गई या र खी गई या क सी ा त दे य ता क % X व U था के मायम से र खी गई रा ि श शा ि म ल न ह Y होगी।

िव C या सि निध यां

अनुदानयासहायताके^पमा>राशियां, याविशेषअथवाविनधा
सरतउ^ेयकेलिएउपयोगकएजानेकेलिनकायारारखीगईतथाकोईविशेषयोजन, िजनकेलियहरखीगईहै,
Xय/उपयोगक%जानेवालीशेषराशि, इसशीषकेअंतग तदशाईजानीअपेितहै।इनिनिधयकोसरकार, सरकारीअभिकरण,
संउथानऔरअभयअभिकरणआदसेनकदअथवावउतुके^पमा>कयाजासकताहैऔरयेकुछअनुबंधितशत।एवंनिबंधनकेअं
तग तिनकायाराअनुपालनकएजानेकेअधीनहै।इसकारणसे,
उपलWधशेषराशियऔरउनकेउपयोगकोअनुसूचीमसुझाएगएढंगसेदशा याजानाचाहिए।क
ीयऔर/यायसरकारसे>योजनानिधयकोनिधक%भि^रेणीके^पमदशा याजानाहोताहै।

कसीपद, घर, भवन, Hयासआदकेलिनधा
सरतिविHयासक%अभययोजनानिधयकोनिधक%एकभि^रेणीके^पमदशा याजानाहोताहै।

नि;िलिखतक%गणनाविनधा सरतिनिधयके^पमनहYक%जाएगी:

(क)अनुदान/निधयां, िजनमवत ककेअंशदानक%विशMताएंह, जोसंगुहिनिधक%अभिवृिब/वृिबक%कृितक%है:

(ख)पूर्वकेवषमवहनकएगएXय/हािनयक%ितपूर्वतके^पमिनकायारा>निधयां/अनुदान,

स्यकइनक%गणनाकेवलवषकेआयऔरXयलेखेमहीक%जाएगी।

(ग)पूजीगतआउतययाअभयसंसाधनारागैर-िव)ीयअनुदान, िजनकातदनु^पीकरणपूजीगतआरितक%कृितकाहै,

तथापि,ऐसेअनुदानकोसंगुहमअपसरवत नीयअंशदानके^पमिविनLदMकयानजाए।

ट7पिण्यां-साधारण

(क)यहसुनिितकरनासमुचितहैकपृथकिनिधयमवृिबऔरउनकाउपयोगइससेजुड़ीनिबंधन औरशतकेअनुसारहो।

(ख)विनधा सरतिनिधय काितितिधिव, उनक%कृितकोयानमरखते9ए, विशM^पसेविनधा

सरतिविनधानयाअभयआउतयाराकयाजाताहै।

(ग)क/रायसरकारसे>योजनानिधयकोपृथकिनिधयके^पमदशा

याजानाहोताहैऔरइहहकसीअभयनिधकेसाधिमिरतनहYकयाजाता।

(घ)अधिगृहित/विनBमतिनधा सरतआउतयसेसंबंधितअभिलेखको[येकिनधा

सरतिनिधकेलिनएबनाएखाजानाचाहिए।तथापि, वाBषकिव)ीयिववरणकेउ^ेयसे,

[येकवषतकसकलसंचितलागततथा[येकिनधकेसंबंधमऐसीविनधा सरतआउतयकोदशा

याजाएजबतककआउतयकोअधिगृहितनकरिलयाजाएऔरअनुसूची 8 मशािमलनकरिलयाजाए।

अतिभूतक्रण

1.क ीयसरकार

ितसंदाय के िनबंधन को उपदBशत करना।

2.रायसरकार

रायसरकारकानामऔरितसंदायऔरिनबंधन कोउपदBशत करना।

3.िव)ीयसंउथाएं

भारतीयऔ"ोगिकिवकासब\क, एसपोट-इंपोटब\कऑफइंडिया,

राीयकृषि

औरगामीणिवकासब\कसे>क्रण/पुन:िव)पोषणशािमलहै (ितभांगिता

माणप, यदकोईहैतो, केितदेयतासिहत)।सामाभयतयायेिमयादीक्रण के^पमहोसकतेह।

4.ब\क

वाणिज्यिकब\क (सहकारीब\कसिहत)

से>क्रण/पुन:िव)पोषणशािमलहै।क)िमयादीक्रण अभयिमयादीक्रणकोसुविधा?क% कृित उपदBशत कर।

ख)अभयक्रण

5.अभयसंउथानऔरअभिकरण

उपयु

वBणतसंउथान/अभिकरणसेइतरअभयसंउथान/अभिकरणशािमलह।6.िडबचरऔरबंधप

िडबचरऔरबाडकोक्रणमोचनकएजानेक%शत^उनकेक्रणमोचनक%

िनकटतमतारीखकेसाथदशा

ईजानीचाहिए।

ट7पिण्यां-साधारण

(क)दीर्गईतभूितक%कृितकेसंबंधम[येकमामलेमसूचनादीजाएगी।

(ख)ितभूिततक्रणऔरक्रणिकायक%आउतयपरदुिमबंधक/रेहन/भार केअनुसारहगे।

(ग)[येकशीषकेअंतग तक्रणक%सकलराशि, िजसक%क/रायसरकारारागारंटीदीर्गईहो,

काइसतयकेसाथभीउलेखकयाजाएकइनक%इसकारक%गारंटीदीर्गईहै।

(घ)क्रणऔरउधारम, ितभांगितामाणपकेसाथ संउथानऔरअभिकरणक%िव)पोषणदेयताशािमलहै।

(ड) देनदारक% छूटयाि>ययािबलक% पुनः छूटके मायमसे>रािशयकोइसशीषके अंतग

तशािमलनहYकयाजाएगाZकतुउधारके^पमदशा याजाएगा।

(च) उपाBजतएवंदेयWयाजकोउप-शीषके अंतग तशािमलकयाजाएगा। उपाBजतZकतुजोदेयनहYहो,
उसWयाजकोइसशीषके अंतग तशािमलनहYकयाजाएगाZकतुवत मानदेयता?के भागके^पमदशा याजाएगा।

(छ) गैरमाहयता>ऋणसंबंधी अंतर-शाखाबकायाविMयांउधारके^पमनदशा ईजाएं।

(ज) तुलनपक% ितिथके अनुसार, 12 माहसेकमक% अविधके भीतर देयरािशयकोदशा याजाना अपेित है।

अतिभूितत ऋण और

1. क ियसरकार ितसंदाय के िनबंधन को उपदशत कर।
2. रायसरकार (र) रायसरकारकानामतथा ितसंदायक% िनबंधनदशा एं।
3. िव) ियसंउथान इनमइंडUt ियलबक ऑफइंडिया, एसपोट-इ\$पोटबक ऑफइंडिया,
रा ियकृषि एवं गामीणिविकासबक सो>ऋणशािमलह।
सामाहयतयाये अविधकऋणके^पमहगे। आUतयपरभारके लंबित सृजनके कारण,
िजऋणको 'अतिभूितत' ऋणके^पमदयाजाएगा।
4. बक इनमवािणियकबक (सहकारीबकसहित) सो>उधारशािमलह।
सुिवधा?क%कUमदशा एं।

'Hkkx II μ[k.M 3(i)°

Hkkjr dk jkti=k % vll/kj.k

25

खातके अनुसार अधिवक Bषत अधिशेषऋणका हिउसानहYह तथा सामाहयतः खाता-

अधिशेषसे यादाक% रािशके जारीचेकके कारण ऐसा होता है, ऐसा अधिशेषिसफ

वहाँ ऋणके^पमदशा याजासकता है, जहाँ असत[वको अधिवकष सुिवधा दी जाती

है।

5. अहयसंउथान और अभिकरण इनमउपयु वBणतसेइतरसंउथान/एजिसयके ऋणशािमलह।
6. िडबचर एवंबंधप िडबचर एवंबंधपके ऋणमोचनक% िनबंधनको उनके ऋणमोचनक% िनकटतमतारीख
सहित बताया जाए।
7. साविधजमा इनमपिWलकसे अथवा अहयथा^पसो> िनधा ऽरत अविधके िलए, िबना कसी
ितभूितके>जमा शािमलह।

ट7 पिण्यां-साधारण

क) अतिभूिततऋण और उधारमवहरािशयां शािमलह िजनके संबंधमिनकायक% कसी भी पऽरसंपि) को ितभूित
अथवा ऋण-gUतके^पमभाऽरतनकयाजाता हो।

ख) उपाBजत एवंदेयWयाजको [येक उप-शीषके अंतग तशािमलकयाजाएगा। उपाBजतZकतु अदेयWयाजको इसशीष
के अंतग तशािमलनहYकयाजाएगा लेकनइसेवत मानदेयता?के भागके^पमदशा याजाएगा।

ग) तुलनपक% ितिथके अनुसार, 12 माससेकमक% अविधके अंदर देयरािशकोदशा याजाएगा।

आ-थिगतऋण

- (1) आUतयके अधिहणके संबंधम अनुबंधित Uवीकृितयां तथा इसीकारक% अहयदीघ कालीन देयताएं, तुलनपक%
ितिथके अनुसार 12 माससे यादा अविधम आनेवाली भुगतानक% देयतायहां शािमलक% जाएं।
- (2) यद आUतयको ितभूित अथवा देयता?के अनु^पऋण-gUतके^पमभाऽरतकयाजाता है तो इसतयको
बताया जाए।
- (3) यद सरकारारा, कसी भी सरकारी अभिकरण, बक, संउथान अथवा कसी अहय असत[वके रा, चुकौतीके िलए
Uवीकृितयक% भी गारंटी दी जाती है तो इसतयको भी बताया जाए।
- (4) तुलनपक% तारीखके एकवषके अंदर स\$यक देयरािशयको पृथक^पसे दशा याजाए।

चालू देयताएं

वत.मानदेयताएं

1. Uवीकृतितांइसउप-शीषकेअंतग तशािमलUवीकृतितामआहरककेमम, िविनमयकेिबलपर

आहरकक%सहमितशािमलहोगी।

2. िविवधलेनदारइसउप-शीषमदशा ईजानेवालीरािशयमिनकायारा, अमयकेपमखरीदेगएमाल

क) मालकेिलएअथवादीगईसेवा?अथवासंविदा[मकदायि[वपरदेयरािशयांशािमलहोगी।इमह

ख) अमयमालकेिलएअलगकयाजाएतथापृथकपसेदशा याजाए।

3. ाI>अिगुमइसउप-शीषक%देयतामा>वहरािशयांशािमलहोगीजिनसेमालक%अभीआपूतक%

जानीहै/सेवाएंअभीदीजानीह\अथवाइनकामूयअभीदयाजानाहैतथाअिगुमशुक

शािमलहै।

4. उपाBजतZकतुअदेयWयाजइसमितभूितत/अितभूिततऋणएवंउधारपरवषाततककाउपाBजतZकतुअदेय

क) ितभूिततऋण/उधारWयाजशािमलहै।

ख) अितभूिततऋण/उधार

5. कानूनीदेयताएंइनमिनकायपरशािसितक/रायसरकारकेकानूनसेसंबंधितदेयताएंशािमलह\तथा

क) अितदेयआयकरअधिनयम, 1961 केअंतग तपोतपरकरकटौती, सांिविधकबोनस, भिवय

ख) अमयिनिध, पशन, उपदान, ईएसआई, एसएसआईयूिनटक%अितदेयता?परWयाज, िबI%

कर, उपादकर, सीमाशुकहेतुअद)देयताएंतथाअमयसांिविधकउदगृहणशािमल है।

अितरेकदेयताएंगैर-िववादतरािशयांहोतीह\जोकदेयहोतीह\तथासाधारणदेय तारीख/अनुबंधितअविधकेबादभीइनकाभुगताननहYकयागयाहोताअथा त्जोचूक- gUतहोतीह।

ट7पण – साधारण

वत मानदेयतावहहोतीहैजोअपोकृतअपाविधअथा त् 12 माससेअनिधककेअंदरभुगतानकेिलएदेयहोतीहै।

ख. उपाबंध

1. कराधानके िलए वषातकेअनुसार, करमामलक%िउथितकेआधारपरउपाबंधबनाएजानेतथारखेजाने अपेितहोतेह।

2. उपदान कम चासरयक%मूयु/सेवािनवृि)परदेयउपदानक%देयताकेउपाबंधकोबीमांकनआधार परउपाBजतकयाजानातथावषाततकदानकयाजानाअपेितहै।

3. अधिवBषता/पशन कम चासरयक%सेवािनवृि)परदेयदेयताकाउपाबंधअधिवBषताआधारपरकयाजाना तथावषाततकदानकयाजानाअपेितहै।

4. संिचितअवकाश कम चासरयकेसंिचितअवकाशनकदीकरणक%देयताकेउपाबंधकोबीमांकनआधारपर कयाजानातथावषाततकदानकयाजानाअपेितहै।

5. Xापारवारंटी/दावे जहांिनकायिबI%केिलएमालकािविनमाण/संUकरणकरताहै, वहांउसपरXापार वारंटीजोिखमक%देयताहोगी, िजसेउचित/युि संगतआधारपरदयाजानाअपेितहै।

6. अमय इमहिविनLदमकयाजानाअपेितहैऔरइनमडूबंतऋण/अिगुमकाउपाबंधशािमलनहY होगािजमहसंबbआUतशीषसेघटायाजाएगा।

ट7पणी-साधारण

यहउपाबंधरािशकोबेखातेमडालनेकेिलएअथवाआUतयक%मूय}ासयामूयघटावXवUथाकरनेकेरारखेजाने

केलियातदेयता?केलिएXवUथाकरनेकेरारखेजानेकेलिएहैजिसक%राशिकोपया >दताकेसाथिनधा sरत
नहयकयाजासकताहै।

आ-तयां

िनयत आ-तयां

1 भूमि (क)पूण Uवािमव (ख)पवेवाली	जहांUथावरसंपि)िमिरतलागतकाभुगतानकरकेखरीदी/अBजतक%जातीह\, वहांभूमिक%लागतकाउचित/िव~सनीया□लनकयाजाएतथापृथक^पसेदशा याजाए।यदपव्ािनरंतरचलनेवालानहो, तोपवेवालीभूमिकोपवेक%अविधकेलिएशा~तताकयाजाए।
2 भवन (क)Uवािमववालीभूमि म (ख)पवेवालीभूमि	जहांतकXवहायहो, विविभ□दरपरमूय;ासकेउपाबंधकेलिएकारखानेतथाकाया लयभवनकेबीचअंतरUपM^पसेरखाजाए। जोभवन/पसरसरिनकायकेकाय कलापकेलिएपूरीतरहसे/आंशिक^पसेयोगकएजानेअपेितह\तथाइनम
¹ Hkx IIμ[k.M 3(i)° Hkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 27	
(ग)पूण Uवािमववाले □लै□स/पसरसर (घ)जोभूमिनकायक% नहयहै, उसपरसंरचना	पवेवालीभूमिकेसंरचनाम, भूमिक%ऋण- चुकोतीक%समानअविधकेसाथमूय;ासकयाजानाअपेितहै, यदसंरचनाकाजीवनकालअपोकृतकमअविधकानहोतो। भवनमसड़क , पुलतथापुलियाएंशािमलहगी।
3. संयं, मशीनऔरउपउकर	इसउप-शीषमिन;िलिखतजैसीमदशािमलहगी: - िमवीहटानेवालीमशीन - बॉयलस - भSव्यां - जेनरेटस - डाई/मोड - अउपताल/िसलिनक, संउकरणयूिनट, हाइ□ोलिकवस(पाइपलाइनसिहत), हिथयार कमिविनLदMउ"ोग/भवनसंिवदाकारजैसीसेवा?केलिएयु मशीन - िनमा ण/संउकरणइयादहेतुयु अमयमद। खाता-बिहयमपृथकलेखा- शीषबनाएजाएंतांिनयतपसरसंपि)रिजUटरकेसाथइनकासमाधानरखाजाए।उपयु उप- शीषकेअंतग तसूचनाकटकएजानेको[साहितकयाजाताहै।
4. वाहन	इसउप-शीषमिन;िलिखतजैसीमदशािमलहगी: - tैसटस/तेलस - tsस, जीपऔरवैन - मोटरकार - मोटरसाइकल, Uकूटर, ितपिहयाएवंमोपेड - Srsशा खाता-बिहयमपृथकलेखा- शीषबनाएजाएंतांिनयतआUतयरिजUटरकेसाथइनकासमाधानरखाजाए।उपयु उप-शीषकेअंतग तसूचनाकटकएजानेको[साहितकयाजाताहै।

5. फनचर, फसचसर	इसउप-शीषमिन;िलिखतजैसीमदशािमलहगी: क) कैबिनेट/आमीरा/फाइलगरैस ख) वातानुकूलक/वातानुकूलनसंयं ग) वायुशीतक घ) जलशीतक ङ) मेज/कुसन/सोफा/कारपेट च) वुडनपाटनशन/अुथायीसंरचना छ) वोटेजउटेवलाइजस, यूपीएसणाली ज) अहयमद सामुीरािशकेिलएखाता-बिहयमपृथकलेखा- शीषबनाएजाएंतािनयतपसरसंपि)रिजउटरकेसाथइनकासमाधानरखाजाए।उपयु उप- शीषकेअंतग तसूचनाकटकएजानेकौसाहितकयाजाताहै।
6. काया लयउपउकर	इसउप-शीषमिन;िलिखतजैसीमदशािमलहगी: क) टंकणमशीन ख) फोटोकॉपियस/डुलीकेटस ग) फैससमशीन सामुीरािशकेिलएखाता-बिहयमपृथकलेखा- शीषबनाएजाएंतािनयतआउतरिजउटरकेसाथइनकासमाधानरखाजाए।उपयु उप-शीषकेअंतग तसूचनाकटकएजानेकौसाहितकयाजाताहै।
7. कंयूटर/पेसरफेरस	कंयूटरस, टस एवंउनकेपेसरफेरसजैसेकलॉपी, सी.डी. एवंसॉटवेयरइयादइसशीषकेअंतग तमदहगी। सामुीरािशकेिलएखाता-बिहयमपृथकलेखा- शीषबनाएजाएंतािनयतआउतरिजउटरकेसाथइनकासमाधानरखाजाए।उपयु उप-शीषकेअंतग
8. विउतसंउथापना	इसउप-शीषमिन;िलिखतजैसीमदशािमलहगी: क) वैउतमशीनरी ख) विउतकाश/पंखे ग) उवचगीयरउपउकर घ) तंसउपाबंधस ङ) विउतवायुरगएवंफटग उपयु मदकेसंबंधम, सामुीरािशकेिलएखाता-बिहयमपृथकलेखा- शीषबनाएजाएंतािनयतपसरसंपि)रिजउटरकेसाथइनकासमाधानरखाजाए।उपयु उप- शीषकेअंतग तसूचनाकटकएजानेकौसाहितकयाजाताहै।
9. पुउतकालयक%पुउतक	कुछमामलम, पुउतकालयक%पुउतकक%संयाब9तयादाहोसकतीहैअथवाएकउथापितपुउतकालय भीहोसकताहै।ऐसेमामलम, इनपुउतककोआउतयक%एकपृथकरेणीकेपमदशा याजाए।पुउतकालयक%पुउतकमपुउतक/जन स/सी.डी.
10. नलकूपएवंजलापूतणा	नलकूपऔरजलापूतणालीकोविशमरेणीकेपमदशा याजाए।
11. गितपरपूजीगतकाय	निमा णकेिलऐनधा सरतसंपि)यकोइसशीषमतबतकदशा याजाएजबतककवेअपनेअपेितयोगकेिलएतैयारनहोजाएं।हािसलक%गईमशीनरीएवं उपकरणतथाउनक%लिबतसंउथापनाकोभीदसमशािमलकयाजाए।

ट7पणी-साधारण

1.

िनयतआउतयांवेआउतयांहोतीहजिहउ[पादनकरनेअथवासेवाएंदानकरनेकेउेयसेयोगमलानेकेअिभायसेरखाजाता
हैऔरइहXापाकेसामाहयामिब%केिलऐनहYरखाजाताहै।

2. [येकउप-शीषकेअंतग तिन;िलिखतकोदशा याजाए:

क) वषकेारंभमलागतअथवामूयांकन।

ख) वषकेदौरानअिभवृि (हािसलकरनेतथाअनुदानअज न, दोनकेहीरा)।

ग) वर्षकेदौरानकटौतियां (बि०%, निपटान, बचाखाताआदिसहित)।

घ) वर्षातमकुललागत/मूयांकन।

ड) विगतवर्षाततकमूयोंसजोकवर्षकेदौरानशामिलहोतथावर्षाततककुलसंचयीमूलयोंस।

च) वर्षातपरआउतयकाशुल्क।

3. हासिल (अनुदानकेराअथवासरयायतीदरपरासहित)

अथवानिर्भरतयतआउतयकेलेखांकनसेसंबंधितलेखानीतिकोमूयोंस/पसरशोधनकेलिएअंगीकृतिविधकेसाथदशायाजाए।

1Hkx IIμ[k.M 3(i)°

Hkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

29

4. जहांकसीभीपसरसंपि)क%राशिसकेपुनःमूयांकनकेकारणबचातेमडालीगईहो, वहांउसकेआधारकोदशायाजाएऔरपुनःमूयांकनकेप्राप्त,

थमतुलनपकेबाद[येकतुलनपकोपाँचवर्षक%अविधकेलिएसंशोधनक%तारीखतथाराशिकेसाथपुनरीणआंकड़केलिएदशायाजाए।

5. जहांविशमनियतआउतयसेसंबंधितअनुदानाहोतेहथायेआउतक%संपूर्णअथवावउतः

संपूर्णलागतकेसमतुल्यहोतेहवहाँनिर्धारितआउतयकोतुलनपमनाममामूयपरदशायाजाए।

वैकिपकअपसे, मूयोंस

योजनियतआउतयसेसंबंधितअनुदानकोआउथिगतआयकेअपमानाजाएतथाऐसीआउतयकेउपयोगीजीवनकालकेदौरानसुखविपथतथातक संगतआधारपरआयऔरखलेखामुवीकृतकयाजाएअथ

तऐसेअनुदानकोअविधकेदौरानआयमआवंटतकयाजाएतथाउसअनुपातमकयाजाएजिसममूयोंसभासरतहोताहै। गैर-

मूयोंसआउतयसेसंबंधितअनुदानको "पूजीगतआरित" मडालाजाएजबतकउसमपूव-शतकोपूराकरनाअपेक्षितनहो।

6. मूयोंस

मूयोंसदयाजाएगाताकमूयोंस योजयआउतक%, इसकेउपयोगीजीवनकालममूयोंस योजयराशिभासरतक%जासके।

मूयोंस योजयआउतमटूट-फूट, खपततथामूमअहयहानिय, जोकयोग,

समयकेखतिमअथवा"ोिगक%एवंबाजारभारकेकारणअपयसेहोतीह, कापैमानामूयोंस

होताहै। इसमेआउतयकापसरशोधनतथाअपिशमआउतयक%ीणताशामिलहोतीहैजिनकेउपयोगीजीवनकालकानिर्धारणकयाजाताहै।

इसयोजनकेलिए:

क) मूयोंस योजयआउतसे अभितहै, जो-

i. एकसेअधिकलेखाअविधकेदौरानयोगकयाजानाअपेक्षितहै, तथा

ii. जिसकासीमितउपयोगीजीवनकालहै; और

iii. जोनिकायारामालकाउत्पादनअथवाआपूर्वतकेलिएअथवाअहयकोभाड़ेपरसेवाएंदेनेकेलिए, अथवाशासिनकउत्ेयकेलिएयोगमलानेकेलिएरखीजातीहैऔरउनकेखापार/चालनकाय कलापकेसामाहयमिब०%केउत्ेयसेनहयरखीजातीहै।

ख) मूयोंस योजयआउतक%मूयोंसराशिकाअथहै- इसक%मूललागतअथवािवीयिववरिणयममूललागतकेलिएतथापितराशिजसमसेअविशममूयघटादयाजाताहै;

ग) उपयोगीजीवनकालकाअभितहै-

i. वहअविधजसमिनकायारामूयोंस योजयआउतकायोगकयाजानाअपेक्षितहै, अथवा

ii. निकायाराआउतकेउपयोगसोअकएजानेकेलिएअपेक्षितउत्पादनअथवासमतुयिनकायक%संया।

विनिधान-निर्धारित/

1. सरकारीभूतियां इसमकऔररायसरकारक%भूतियांतथासरकारीखजानेकेबिलशामिलहोतेह।

इनितभूतियकोलागत/खातामूयपरदशायाजाए। तथापि, ऐसेमूयऔरबाजार

मूयकेबीचकेअंतरकोतुलनपक%स्टापिणयमदयाजाए।

2. अहयअनुमोदितभूतियां सरकारीभूतियसेइतरितभूतिय, जोकअनुमोदितभूतियां (जैसेकहयासीभूतियां) मानीगईह, कोयहाँशामिलकयाजाए।

3. शेयर

कंपिनयतथानिगमकेशेयरमकयागयाविनिधान, जोमद 2 मशामिलनहयहै, यहाँ

शामिलकयाजाए।

4. डिबचरएवंबंधप कंपिनयतथानिगमकेडिबचरएवंबंधपमकयागयाविनिधान, जोमद 2 मशामिलनहयहै, यहाँशामिलकयाजाए।

शेयर/डिबचर/बंधपआदक%कृति केनहयह, इसमशािमलह।संपि)मिविनधान,
यदकोईहोतो, भीइसमशािमलकयाजाए।

ट7पिण्यां-साधारण

1. विविनधानकासमग्रपसेसकलमूय, समग्रपसेमूय, ासतथाशुभमूयपृथकपसेदशा याजाए।मूयांकन तथामूयमकमीकांनिधा रणकरनेकेलिए, अनुमोदितभूितय (उपुय 1 एवं 2 मशािमल) को "उथायी" तथा "चालू" िेणयमिवभाजितकयाजानाअपेितहै।
2. क) विविनधान "दीघ कालीन" याफर "उथायी" याफर "वत मान" होसकताहै।
ख) "चालूविविनधान" से अभेतहैवहिविनधानजोअपनीकृतिकेअनुसारही, तुरंतवसूलीयोयहोताहैऔरइसे कएजानेक%ितितसेएकवषसेयादासमयतकरखाजानाअपेितनहयहोताहै।ऐसेविविनधानकोलागतअथवा उनकेउचितमूयसेकमपरदशा याजाए, िजसेअलग-अलगविविनधानआधारपरिनधा ऽरतकयाजाएगातथा किमयकेलिएXवउथाक%जाएगीजबकमूयवृिपरयाननहयदयाजाएगा।
ग) दीघ कालीनविविनधानउहहकहाजाएगाजोवत मानविविनधानसेइतरहोतेह।औरइहपूजीगतमूयवृि तथाआयकेउेयसेरखाजानाअपेितहोताहै।ऐसेविविनधानलागतपरकएजातेह।तथाजबकभीयेक विविनधानमक%जारहीउनक%मूयकमीमकमी, अउथायीसेइतरहोनेपरघटाएंजाएंगे।
3. निधा ऽरत/उथायीनिधयमकएगएविविनधानकोअनुसूची 9 परदशा यागयाहै।
4. यदसंपि)मिविनधानकयागयाहैतोउसेनिधा ऽरतआउतयकेमामलेक%तरहही, समानढंगसेमूय, ास घटाकरलागतपरदशा याजाएगा।
5. निकायदीघ कालीनतथामौजूदा, दोनविविनधानकेसंबंधमिविनधान, उनक%लागत, मूय, ासतथाअुणीतमूय सेसंबंधितलेखानीतदशा एगा।
6. उथायीविविनधानकोहािसलकरनेमदयागयाकोईभीीमयमउनक%पऽरपताक%तारीखतकसमयअनुपात आधारपरपऽरशोधितकयाजाएगा।हािसलकरनेपरिमलीछूटकोपऽरशोधितनहयकयाजाएगा।
7. पऽरपिविविनधान, जोवसूलनकयागयाहो, पृथकपसेदशा याजाए।

आ-तयां, , , ऋण

चालूआ-तयां

1. तालिकाएं:
भंडारएवंचालूत पुजx
ख) खुलेऔजार
ग) साज-सामान
- तैयारमाल
चलरहाकाय
- कयामाल
वउतुतालिका?मXापाक%साधारणयामिब%अथवाऐसीिब%के क)
लिएउपादनक%याम, अथवामालकेउपादनअथवािब%क%सेवा?के
लिएखपतहेतु, िजसममशीनरीकेकल-पुजसेइतरअनुरण, आपूतयांएवं
उपभोयशािमलह, केलिएरखीगईमूतसंपि)सिमिलतहै।
वउतुसूचिकेमूयांकनकाआधारदशा याजाए।
तैयारमालमिब%गयातैयारकयागयाऔरनिकायकेसभीउथानपरमौजूद-
मालशािमलहोगा।
कयेमालमिब%केलिएमालकेउपादनकायमयु अथवाखपाएगएपुजx
अथवासंघटकभीसिमिलतहगे।
2. विविधऋणी:
क) छहमाससेयादाअविधके
बकायाऋण
ख) अमय
ऋणयमवेलोगशािमलहगेिजनसेबेचेगएमालअथवादीगईसेवा?
अथवासंविदा[मकदाियवकेलिएरािशदेयहगी।
वसूलीलायकमानेजानेवालेऋणकोतथाउनऋणको, िजनक%वसूली
संदेहापदहै, पृथकपसेदशा याजाएगा।यदसंदेहापदऋणकेलिएकोई
उपाबंधकयागयाहोतोउसेसंदेहापदमानेगएऋणक%रािशमसेघटावके
पमदशा याजाए।
3. रोकड़शेष:
(चेक/ासतथा
अुदायसिहत)
बकशेष:
पृथकक) अनुसूचितबकम
- चालूखातेम
निधा ऽरत/विमयासिनिधयक%बकजमाकेपमरखीरािशयकोपृथक-
दशा याजाए।

- जमाखातेम जहांकोईजमाखाताबंधकरखाजाताहैअथवाितभूितके^पमभासरतहै
अथवाऋणुतहैतोतुयकोदशा याजाए।
(Hयूनतमजमारािशिसहित)
- बचतखातेम

अितदेय/पसरपिनेपकोपृथक-पृथकदशा याजाए।

ख) गैर-अनुसूचितब\कम

- चालूखातेम
- जमाखातेम
- बचतखातेम

5. डाकघर – बचतखाते:

अCयआ-तयां

1. ऋण:

सहीऔरवसूलीयोयमानेगएऋणकोदशा याजाए।यदवोरािशिसंदेहापदहो
तोइसे[येकउप-शीषकेअंतग तबतायाजाएतथायदकोईउपाबंधरखागयाहो
तोउसेउसमसेघटानेवालेके^पमदशा याजाए।

कम चारीवगकेऋणकेWयाजपरउपाBजतWयाजइसतुयकेबावजूदलेखमिलया
जाएकWयाजक%वापतिवकवसूलियांमूलधनक%चुकौतीकेबादशु^हगी।

क) कम चारीवृंद

ऐसेिनकायकोदएगएअपसरवत नीयअनुदान/अनुषंगी/संमोदानकोइसमशािमल
नहYकयाजाएगा।यदWयाजबनताहैतोवषाततकबनेWयाजक%रािशिको
समायोिजितकयाजाए।

ख) उसिनकायकेसमतुय
काय कलाप/उेयमलगे
अHयिनकाय

ग) अHय (िविनLदMकर)

2. नकदअथवावपुतु?के^प
मअथवा>होनेवालेमूयके
िलएवसूलीयोयअिुमएवं
अHयरािशयां:

¹Hkxkx Iμ[k.M 3(i)°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

33

क) पूंजीगतलेखाम

पूंजीगतकायकेिलएआपूBतकता ?/संिवदाकारकेअिुमकोइसउप-शीषमख)
दशा याजाए।

पूवभुगतान

ग) अHय

इसमपूव द)Xयशािमलहै।

इसमक्रिणयसेइतरअHयसोि>योयशािमलहोगा।

3. उकभूतआय:

क) िनधा सरत/िविHयास वषाततक "आयउपाBजतएवंदेय" और "आयउपाBजतZकतुदेयनहY",
दोनकोहीिनिधयसेकएिविनधान इसशीषकेअंतग तशािमलकयाजाए।
से

ख) िविनधानसे – अHय

िनधा सरत/िविHयासिनिधयसेकएिविनधानऔरअHयिविनधानक%आयकोपृथक-
पृथकदशा याजाए।

ग) ऋण एवं अिुमसे

घ) अHय (वसूलनक%गईदेय

आयसहित...पये)

यदवसूलीअथवाअंितमसंहअनि]तहोतोआयनमानाजाएऔरयदमाना

गयाहोतोउनकाउपाबंधकयाजाए।

लाभांशकोउनक%घोषणाक%ितिथ (य) केआधारपरमानाजाए।

उपाBजत, देयपरंतुवसूलीनक%गईआयकोपृथक-पृथकदशा याजाए।

4. ाि>योयदावे:

जोदावेसहीऔरवसूलीयोयसमझेजाएं, केवलउHहहीशािमलकयाजाए।

सेवाGसेसेसेआय

बिड1 से से से आय

1. बिड1 से आय

क) तैयार मालक % बिड1 % बिड1 % मवहसम ग्रांशिशामिल होती है जो बिड1 % सो > होती है। इस मशुब Xा पार छूट, बने एवं सरबेट को दशा या जाए।

जब उवा मि व का पूरा जो खिम और ियां, मालके भुगतान के समय अथवा

ख) क ये मालक % बिड1 % सुपुद गी परयान दए बना, वि वि ता से वि ता को अंत सरत होती है त भी संप होती है।

नियता बिड1 % को पृथक पसे दशा या जाए।

ग) क बाड़क % बिड1 %

2. सेवा से आय

पसे दशा या जाए।

आय को सकल आंकड़ म दखा या जाए तथा पोट पर काटे गए कर को पृथक

क) रम एवं संकरण भार

अभियन काय के माल/सामग्री के संकरण/निमा ण के लिए वसूली यो य म एवं संकरण भार को इस उप-शीष म दशा या जाए।

ख) वृत्तिक/परामश से वाएं

निकायारा Xा वसा यिक से वाएं देने के परामश भार एवं शुको इस उप-शीष के अंतग तशा मिल क या जाए।

ग) अभिकरण क % कमीशन एवं दलाली

जहां निकाय अभय के लिए मालक % आपू B त/सेवा का बंध कर ने के लिए दलाल अथवा अभिकता के पम काय करता है, अथा त्सि बां त-दर-

सि बां त

आधार पर काय कए बना, तो अब जत कमीशन और दलाली को इस उप-शीष म दशा या जाए।

अनुरण से वाएं (उपकरण/संपि)

जहां कंपनी उपकरण या संपि) आद के लिए अनुरण वचन बकरती है इस घ)

त इस पोट से वष के अंत तक अब जत क % गई आय शा मिल क % जाएगी।

उपशीष के अंतग

ड) अभय (विनि ल द म कर)

अनुदान/अनुषंगी

(अशोय अनुदान एवं ा अनुषंगी)

1) क सरकार

अशोय आधार पर कंपनी के सामाभय योय और उ ा य के लिए अनुदान अनुषंगी अथवा अभय इसी कारक % सहायता या पूवक % अविधय म 9 आ X य इस अनुसूची म शा मिल क या जाएगा।

2) राय सरकार (सरकार)

ये अनुदान आद इन के उपयोग के अनुसार बना क सी शत के ह और गैर-वापसी 3)

सरकारी अभिकरण

राशियक % कृत्तिके ह जो क आय के लिए उपयु ह।

सकला ियां ये क उप-शीष के लिए दशा यी जाएंगी, और अभय सं उ था ?/संगठन के 4)

सं उ थाएं/क याणकारी निकाय

X य के पम अशोय आधार पर दी जाने वाली अनुदान/आ B थक सहायता अनुसूची

22

मिवचारक % जाएंगी।

5) अंतरा लीय सं उ थान

6) अभय (विनि ल द म कर)

फ 1 स/अंशदान

1) वेशफ % स [ये क म द पर लेखानी ि त यां क ट क % जाएंगी।

2) वा B ष क फ % स/अंशदान वेशशुक,

अंशदान आद से जै से शुको के माम ले म पूंजी गता ि य के कार के हो ते ह। ऐसी राशिश सं ह/पूंजी गति निध म जानी चा ि ह। अभय था ऐ से फ % स इस अनुसूची म

3) संगो मी/काय र म फ % स शा मिल हगे।

4) परामर्शन फॉर्म: कंपनी के बड़े या कलाप के मामले संगोमी/काय
शाला आयोजित करना और/या परामर्श सेवाएं देना है ऐसी आय अनुसूची 12 का भाग होगी।

5) अहय (विनिर्दिष्ट कर)

सकला विंयां हां दशा यीजानी चाहिए। सेमिनार/काय शाला?,
परामर्श आद पर कया गया Xय अनुसूची 21 में 'अहय शासिनक Xय' में दशा
यीजानी चाहिए।

Hkkx II μ[k.M 3(i)°

Hkkjr dk jkti=k % v[k/kj.k

35

विनिर्दिष्ट से आय

1) Wयाज

1. विनिर्दिष्ट से आय सकल आकड़ में दशा यीजाएगी और पोट पर कटौती अलग
से बताए जाएगी।

क) सरकारी ितभूितय पर

2. सरकारी ितभूितय पर Wयाज मिन; शांमिल हगे।

क) Wयाज क% अंतिम तिथि तक लाभांश दर पर अर्जत Wयाज अथा तो कभूत
Wयाज एवं देय; और

ख) लाभांश दर पर वर्ष के अंत तक उस परोक्ष भूत Wयाज

ख) अहय बंधप/डिबचस

3. बंधप और डिबचर पर आय में छूट पर जारी बंधप पर वर्ष के अंत तक
छूट, जारी कए जाने क% शत पर आधारित उसी मूय पर अथवा कित
पर चुकाए जाने वाले बंधप

I

2) लाभांश:

कंपनी को इसो करने का अधिकार हो।

4. लाभांश उसके लिए घोषित तिथि के आधार पर कए जाएंगे अथा तजब

क) शेयर पर

ख) पारुपसरक िनिर्दिष्ट भूितय पर

5. कराया संपि) यपर विनिर्दिष्ट पर आय द कोई है के पम दशा याजाएगा। 3) कराया

6. अत देय/पसर प विनिर्दिष्ट पर दावा कया गया Wयाज तब तक उवीकार नहय 4)

अहय (विनिर्दिष्ट कर)

कया जाएगा जब तक इस उवीकार कए जाने के लिए पूव शत पूरि नहो।

7. विनिर्दिष्ट पर आय के संबंध में अंतर कया जाएगा।

क) कंपिनय के उवांमिवम; और

ख) िजिन के पास निधा सरत/बंदोब उती फंड हो

8. वर्ष के अंत में निधा सरत/विहयास िनिर्दिष्ट से विनिर्दिष्ट पर आय का कुल
अनुसूची 13 के मायम से िनिर्दिष्ट अंत सरत कया जाना चाहिए।

रायटी, , , काशन

1) रायटी से आय

[ये कम दर लेखानी ितयांक तक % जाएंगी।

2) काशन से आय

कंपनी के बड़े या कलाप के मामले म लमकताब, जरनल, द उतावेज आद का काशन
करना है। ऐसी आय अनुसूची 12 का भाग होगी।

3) अहय (विनिर्दिष्ट कर)

सकला विंयां हां दशा ईजाएं। काशन आद पर 9 Xय को अनुसूची 21 में
'अहय शासिनक Xय' के पम दशा याजाएगा।

अर्जत: याज

1. सांविधिक जमा पर:

1. अर्जत आय पर Wयाज सकल आंकड़ में दशा यीजाएगी और

क) अनुसूचित बको के साथ पोट पर कटौती अलग से क% जाए।

ख) गैर-अनुसूचित बको के साथ

ग) संधा? के साथ

घ) अहय

2. बचतखातपर :

2. आयकेसंबंधमअंतरकयाजाएगा;

- क) अनुसूचितबकोकेसाथ
ख) गैर-अनुसूचितबकोकेसाथग) डाकघरबचतखाते
घ) अहय

3. उधारपर:

- क) कम चारी/कम चारीवृंदख) अहय
क) कंपनीकेउवांमिवालीआउतयपर; औरख) िजनकपासिनधा ऽरत/िवहयास िनिधहो;

4. देनदारएवंअहयायरािशयपरWयाज
अनुसूची 18

1. आउतयक%बि%Xयपरलाभक) उवांमिवालीआउतयां
बि%ाि>वसूलीआउतयक%अंतिमबोलीकािनवल।यदशेषहैतोइसउप-शीषकेअंतग तशािमलकयाजाएगा।

- ख) अनुदानकेअलावाअBजतया
निःशुका>आउतयां

2. वसूलकएगएिनया तोसाहन

दावाकएगएऔरवषकेअंततकवसूलनकएगएिनयातोसाहनआयमशािमलकएजाएंगे।

3. क%ण सेवा?केिलएशुक क%ण आयमशािमलक%गईमदक%रािशकेअलगसेकटक%जाएगी।

4. िविवधआय

'Hkkx Ilμ[k.M 3(i)°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k

37

मालकेकेकेके-टॉक

क) अंतिम उटॉकउटॉककेमूयांकनकेसंबंधमलेखाघोषितक%जानीचाहिए। - तैयारमाल

- काय गितपर

ख) कमी: आरंभिकउटॉक

- तैयारमाल

- काय गितपर

- थापनसंबंधी

क) वेतनऔरमजदूरी

ितिनयुि परकम चारीवृंद क% बाबतसिहत[येकशीषकासकलXयकटख)

भ)ेऔरबोनस

कयाजाएगा।

ग) भिवृयिनिधकाअंशदान

कंपनीकेवैधािनकदािय[वजैसेभिवृयिनिध, कम चारीरायबीमा, सेवा िनवृि)

घ) अहयिनिधय (िविनLदMकर)का

लाभआदसहीतरीकेसेऔरमद-वारकटकएजाएंगे।

अंशदान

ड) कम चारीकयाणसंबंधीXय

वसूलिलयजैसेअथ दPड, जुमा नाआदकेमामलेमइनकोXयशीषकेिलएकटौती

च) कम चाऽरयक%सेवािनवृि)और

नहYक%जाएगीZकतुअनुसूची 18 मअहयआयकेअंतग तशािमलकयाजाएगा।

सीमांतलाभपरXय

छ) अहय (िविनLदM

कर)

ट7पणी - साधारण

पूर्वअविधमद:

पूर्वअविधऔरअसाधारणमदअलगसेकटक%जाएंगीताकउसवषकेिलएउनकेभावतहोसक।

अCयशासिनक

क) खरीद*

[येकशीषकेिलएसकलXयकोकटकयाजानाचाहिए।

ख) मजदूरीऔरहयाXय

ग) मालढुलाईऔरआवजढुलाई

वसूलिलयजैसेकरायावसूलियां, वसूलकयागयाभाड़ाभार, अथ दPड,

घ) िव"ुतऔरऊजा

जुमा ना, आपूBतकता ?सेनुकसानआदकेमामलेम, इसकारक%

ड) जलभार	वसूलियक%राशिक%कटौतीXयशीषसेनहYक%जाएगीZकतुअनुसूची 16 'अहयआय' केअंतग तशािमलक%जाएगी।
च) बीमा	
छ) मर\$मतऔरअनुरण	पूवअविधऔरअसाधारणमदकोअलगसेकटकयाजाएगाताकवषज)
उ[पादशुक	केिलऐनवलXयपरउनकाभावेातहोसके।
झ) कराया, दरऔरकर	
ञ) वाहनचालनऔरअनुरण	शीष क%सूचीविUतृतनहYZकतुXाया[मकहैजहांतकसंभवहोकेवलट)
डाक, टेलीफोनऔरसंचारभार	इHहYलेखाशीष काउपयोगतबतकनहYकयाजाएजबतकइनशीष मठ)
छपाईऔरलेखनसामग्री	कसीकोजोड़नेअथवाहटानेक%मजदूरीनहो।
ड) या	
ाऔरवाहनXय:	
ढ) सेिमिनार/काय शालापरXय	*Xापारमिविनमा णऔरतैयारमालकेिलएकyामालओरभंडारके
ऋ) अंशदानXय	बीचखरीदकोपृथककयाजानाचाहिए/िविनमा णकंपिनयकेमामलेम
त) शुकपरXय	कyेमालक%खपतऔरभंडारणखरीदकेUथानपरदयाजासकताहै।थ)
लेखापरीकपा\$रािमिक	
द) अितयXय	
ध) कारोबारXय	
न) अशोयऔरसंदzधकज/अिुमकाउपाबंध	
प) बवेखातेमडालागयाअशोयइतिशेष	
फ) पैZकगXय	
ब) भाड़ाऔरिषणXय	
भ) विवतरणXय	
म) विवेापनऔरचार	
य) अहय (िविनLदM कर)	
अनुदान, , , , आथक सहायता	
क) संUथान/संगठनकोअनुदान	संUथान/संगठनकोअशोयआधारपरकंपनीकेसाधारणयोगऔरयोजन
संUथान/संगठनकोआBथक	केिलएअनुदान, आBथक सहायताऔरइसीकारक%सहायता?कोइसअनुसूचीख)
सहायता	मशािमलकयाजाएगा।
	संUथान/संगठनकेनामरािशकेसाथउनकेIथाकलाप[येकमामलेमकट कएजाएं।
	अनुदानआदउनकेउपयोगकेअनुसारसंबbकसीशत सिहतऔरशत केिबनाहैऔर
	गैर-वापसीरािशकृितकेह\जोकXयके^पमउचितह\।
	अनुसूची 13 म[येकउपशीषकेसामनेदशा
	यीगईसकलाि>इनअशोयआधारपरअहयसंUथा?/संगठनकेबदलेमअनुदान/आ
	Bथक सहायताकाpोतहोसकतीह\।
	[येकशीषकेिलएसकलXयकोकटकयाजाएगा।
अनुसूची 23	
क) िनधा \$रतऋणपर	1. Wयाजमवचनबbभारशािमलहोगा।
ख) अहयऋणपर (ब\कभारसिहत)	2. िनधा \$रतऋणवेऋणह\जोिनि]तअविधजैसेआविधकऋणकेिलए
	होतेह\
ग) अहय (िविनLदM कर)	3. अनुसूची 23 केअनुसारWयाजकेतौरपरXयकमसेकमकटकरनेक%

गए अनुदान क) भारत सरकार से ख) राय सरकार से ग) अयवोतD (िववरण) से (पूँजीगत और राज"वTय के िलए अनुदान अलग से दशा.ए जाने चािहए) िनM सेसेसेसे िविनधान क) िनधा.Cरत/बंदोब"ती निधयां ख) "वयंकK िनिधयां (अय िविनधान) @ाF.याज क) ब%क जमा पर ख) ऋण, अि3मआEद आय (िविनNदO कर) VI. उधार @ािFयां (िववरण			िविभQप(रयोजनाJिनिधयC केकेकेके िलए गया भुगतान (िनिध या पCरयोजना का नाम 1>येकपCरयोजना के िलए Eकए गए भुगतान के साथ दशा.या जाना चािहए) 7कया गया क) िनधा.Cरत/बंदोब"तीिनिधयDम से ख) "वयंकK िनिधयां (िविनधान अय) म से िनधा(रतआतयC काय@गित क) िनधा.Cरतआ"तयDकK खरीद ख) पूँजीगत काय. पर TयाIगित पर अितरB धन क वापसीक) भारत सरकार को ख) राय सरकार को ग) अय िनिध IदायकD को @भार (.याज भुगतान (िविनNदO कर) VIII. रोकड़बाक क) नकद ख) ब%कम जमा रािश i) चालू खाते म ii) जमा खाते म iii) बचत खाता		
कुल			कुल		

[फा. सं. 47/2/2010-आर एंड आर(i)]

योित अरोड़ा, संयु सिचव

!Hkkx Iµ[k.M 3(i)°

Hkkjr dk jkti=k % vll/kj.k 41

MINISTRY OF POWER

NOTIFICATION

New Delhi, the 17th March, 2016

G.S.R. 316 (E).—Whereas the JointElectricity Regulatory Commission for Union Territories was constituted section (ii), vide number S.O.643(E) dated the 2nd May, 2005;

And whereas, after the State Government of Goa agreed to join the said Joint Commission and authorised the Central

Government in this behalf under section 83 of the Electricity Act, 2003 (36 of 2003), the Central Government by S.O.1271(E), dated the 30th May, 2008 has facilitated the State of Goa to join the said Joint Commission;

Now, therefore, the Central Government, in exercise of powers conferred by section 104 and clause (h)of sub-section (2) of section 180 of the Electricity Act, 2003 (36 of 2003), and in consultation with the Comptroller and Auditor-General of India, hereby makes the following rules, namely:-

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Joint Electricity Regulatory Commission

for the State of Goa and Union Territories (Form of Annual Statement of Accounts and Records) Rules, 2016.

2. Definitions.—(1) In these rules, unless the context otherwise requires, –

- (a) “Accounts Officer” means an Officer responsible for maintenance of accounts and preparation of annual accounts as nominated by the Chairperson of the Joint Commission;
- (b) “Act” means the Electricity Act, 2003 (36 of 2003);
- (c) “Audit Officer” means the Comptroller and Auditor-General of India or any Officer appointed by him in connection with the audit of accounts of the Joint Commission;
- (d) “Chairperson” means the Chairperson of the Joint Commission;
- (e) “financial year” means a period not exceeding twelve calendar months commencing on the 1st day of April of a year and ending on the 31st day of March of the successive year;
- (f) “Form” means a Form annexed to these rules;
- (g) “Joint Commission” means the Joint Electricity Regulatory Commission for the State of Goa and Union Territories constituted under section 83 of the Act;
- (h) “Member” means a Member of the Joint Commission;
- (i) “Participating State” means the State of Goa;
- (j) “Participating Union Territory” means any Union Territory, except Delhi;
- (k) “Schedule” means the Schedule annexed to these rules;
- (l) “Secretary” means the Secretary of the Joint Commission.

(2) Words and expressions used herein and not defined but defined in the Act, shall have the meanings respectively assigned to them in that Act.

3. Accounts of Commission.—(1) The Joint Commission shall prepare the annual statement of accounts for every financial year and the Secretary of the Joint Commission may authorise an Officer of the Joint Commission to prepare the account on his behalf.

(2) The Secretary of the Joint Commission shall supervise the maintenance of the accounts of the Joint Commission, the compilation of financial statement and return, and shall ensure that all accounts, books, connected vouchers and other documents and papers of the Joint Commission required by the Audit Officer for the purpose of auditing the accounts of the Joint Commission are placed at the disposal of that Officer.

(3) The Secretary of the Joint Commission shall submit the annual statement of accounts duly approved by the Joint Commission and certified by the Audit Officer, to the Central Government and the participating State Government by such date as may be specified by the Central Government.

(4) The Joint Commission shall prepare the following accounts, namely:-

- (a) receipt and payment account;
- (b) income and expenditure account;
- (c) balance sheet.

(5) The Secretary of the Joint Commission shall be the authorised signatory to sign and authenticate the receipt and payment accounts, the income and expenditure accounts and the balance sheet.

(6) The Secretary of the Joint Commission shall also submit the annual statement of accounts to the Audit Officer on or before the 30th day of June following the year to which the accounts relate and the Audit Officer shall audit the accounts of the Joint Commission and submit his report thereon.

(7) Save as otherwise provided, the Joint Commission shall submit the statement of accounts in the Forms annexed to these rules for the period from the date of its constitution till the 31st March, 2015 to the Audit Officer

(8) The Joint Commission shall, on receipt of the report of the audit, correct any defect or irregularity mentioned therein and give a report to the Central Government and the Audit Officer about the action taken by it thereon.

4. Form and time of preparation of annual statement of accounts of Commission.—(1) The Joint Commission shall prepare the annual statement of accounts for every financial year which shall comprise of the following, namely:-

- (i) balance sheet;
- (ii) income and expenditure account;
- (iii) schedules to the above financial statements;
- (iv) instructions and accounting principles;
- (v) notes and instructions for the Schedules; and

(vi) statement of receipts and payments.

(2) The annual statement of accounts shall be prepared as per the Forms specified in Schedule-I and



Schedule-IV, in accordance with the Instructions and Accounting Principles and the Notes and Instructions specified in



the Schedule-II and Schedule-III respectively, as devised by the Committee of Experts on Uniform Format of Accounts for Central autonomous bodies appointed on the recommendation of the Parliamentary Committee on Papers Laid on the Table.

(3) The annual statement of accounts shall be finalised by the Joint Commission within three months following the financial year to which the accounts relate.

5. Approval of annual statement of accounts.—(1) Within three months after the end of the financial year, the Accounts Officer shall prepare the annual statement of accounts and the Secretary shall submit the same to the Joint Commission for its approval and after the approval of the Joint Commission, the annual statement of accounts shall be forwarded to the Comptroller and Auditor-General or any other person appointed by him for audit.

(2) The accounts of the Joint Commission shall be authenticated by the Chairperson, one Member dealing with the Finance and the Secretary of the Joint Commission.

6. Preservation of records of accounts, etc.—(1) The Joint Commission shall preserve the records of balance sheet, income and expenditure accounts and receipts and payments account prepared under these rules for a minimum period of ten years.

(3) The books of accounts and other relevant records shall be kept in the office of the Joint Commission and it shall be the responsibility of the Accounts Officer to ensure that the books of accounts and other relevant records are properly maintained and securely preserved in safe custody and produced to Audit as and when required.

7. Authorised signatory.— The balance sheet, income and expenditure accounts and receipts and payments account shall be signed by the Director (Administration) or any other Officer authorised by the Joint Commission.

'Hkkx Ilμ[k.M 3(i)°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 43

**Schedule - I
Form A**

[See rule 4(2)]

Name of Entity : Joint Electricity Regulatory Commission for the State of Goa and Union Territories

BALANCE SHEET AS AT _____

(Amount—Rs.)

	Schedule	Current Year	Previous Year
<u>CORPUS/ CAPITAL FUND AND LIABILITIES</u>			
Corpus/Capital Fund	1		
Reserves and Surplus	2		
Earmarked/ Endowment Funds	3		
Secured Loans and Borrowings	4		
Unsecured Loans and Borrowings	5		
Deferred Credit Liabilities	6		
Current Liabilities and Provisions	7		
TOTAL			
<u>ASSETS</u>			
Fixed assets	8		
Investments – from earmarked/endowment funds	9		
Investment -others	10		
Current Assets, Loans and Advances, etc.	11		
Miscellaneous expenditure (to the extent not written off or adjusted)			
TOTAL			
Significant accounting policies	24		
Contingent liabilities and Notes on Accounts	25		

Form B

[See rule 4(2)]

Name of Entity : Joint Electricity Regulatory Commission for the State of Goa and Union Territories **INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE PERIOD/YEAR ENDED -----**

(Amount – Rs.)

	Schedule	Current Year	Previous Year
<u>INCOME</u>	12		
Income from Sale / Services	13		
Grants/ Subsidies	14		
Fees/ Subscriptions	15		
Income from Investments (income on invest. from earmarked/endow. funds transferred to funds)	16		
Income from royalty, publication etc.			
Interest earned	17		
Other income	18		
Increase/ (decrease) in stock of finished goods and works-in-progress	19		
TOTAL(A)			
<u>EXPENDITURE</u>			
Establishment Expenses	20		
Other Administrative Expenses etc.	21		
Expenditure on Grants, Subsidies etc.	22		
Interest	23		
Depreciation (net total at the year-end corresponding to Schedule 8)			
TOTAL(B)			
Balance being excess of Income over Expenditure (A-B)			
Transfer to Special Reserve (Specify each)			
Transfer to / from General Reserve			
Balance being surplus/ (deficit) carried to corpus/capital fund			
Significant accounting policies	24		
Contingent liabilities and Notes on Accounts	25		

Form C

[See rule 4(2)]

Name of Entity : Joint Electricity Regulatory Commission for the State of Goa and Union territories



SCHEDULES



FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT _____

(AMOUNT-Rs.)

	Current Year		Previous Year	
<u>SCHEDULE 1- CORPUS/CAPITAL FUND:</u>				
Balance as at the beginning of the year				
Add: Contributions towards Corpus/Capital Fund				
Add/(Deduct): Balance of net income/ expenditure transferred from the Income and Expenditure Account				
<u>BALANCE AS THE YEAR -END</u>				

1Hkkx llμ[k.M 3(i)°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 45



Form D

[See rule 4(2)]

Name of Entity : Joint Electricity Regulatory Commission for the State of Goa and Union territories



SCHEDULES



FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT _____

(AMOUNT – Rs.)

	Current Year		Previous Year	
<u>SCHEDULE 2-RESERVES AND SURPLUS:</u>				
1. <u>Capital Reserve:</u>				
As per last Account				
Addition during the year				
Less: Deductions during the year				
2. <u>Revaluation Reserve:</u>				
As per last Account				
Addition during the year				
Less: Deductions during the year				
3. <u>Special Reserves:</u>				
As per last Account				
Addition during the year				
Less: Deductions during the year				
4. <u>General Reserve:</u>				
As per last Account				
Addition during the year				
Less: Deductions during the year				
<u>TOTAL</u>				

Form E

[See rule 4(2)]

Name of Entity : Joint Electricity Regulatory Commission for the State of Goa and Union territories



SCHEDULES



FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT _____

(AMOUNT – R.)

	FUND –WISE BREAK UP				TOTALS	
	Fund WW	Fund XX	Fund YY	Fund ZZ	Current Year	Previous Year
<u>SCHEDULE 3-EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS</u>						
a) Opening balance of the funds						
b) Additions to the funds:						
i. Donations/grants						
ii. Income from investments made on account of funds						
iii. Other additions (specify nature)						
TOTAL (a+b)						
c) Utilization/Expenditure towards objectives of funds						
i. Capital Expenditure						
- fixed assets						
- others						
Total						
ii. Revenue Expenditure						
- salaries, wages and allowances etc.						
- rent						
- other administrative expenses						
Total						
TOTAL (c)						
NET BALANCE AS AT THE YEAR –END (a+ b-c)						
Notes: 1) Disclosures shall be made under relevant heads based on conditions attaching to the grant. 2) Plan Funds received from the Central/State Governments are to be shown as separate funds and not to be mixed up with any other funds. .						

Form F

[See rule 4(2)]

Name of Entity : Joint Electricity Regulatory Commission for the State of Goa and Union territories



SCHEDULES



FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT _____

(AMOUNT – Rs.)

	Current Year		Previous Year	
<u>SCHEDULE 4 – SECURED LOANS AND BORROWINGS:</u>				
1. Central Government				
2. State Government (specify)				
3. Financial Institutions				
a) Term Loans				
b) Interest accrued and due				
4. Banks:				
a) Term Loans				
- Interest accrued and due				
b) Other Loans (specify)				
- Interest accrued and due				
5. Other Institutions and Agencies				
6. Debentures and Bonds				
7. Others (specify)				
<u>TOTAL</u>				
<u>Note</u> : Amounts due within one year				

¹Hkkx llμ[k.M 3(i)^o

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 47

Form G

[See rule 4(2)]

Name of Entity : Joint Electricity Regulatory Commission for the State of Goa and Union territories
SCHEDULES



FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT _____

(AMOUNT – Rs.)

	Current Year	Previous Year
<u>SCHEDULES 5-UNSECURED LOANS AND BORROWINGS</u>		
1. Central Government		
2. State Government (specify)		
3. Financial institutions		
4. Banks:		
a) term loans		
b) other loans (specify)		
5. Other institutions and agencies		
6. Debentures and bonds		
7. Fixed deposits		
8. Other (specify)		
<u>TOTAL</u>		
<u>Note</u> : Amounts due within one year		



Form H

[See rule 4(2)]

Name of Entity : Joint Electricity Regulatory Commission for the State of Goa and Union territories
SCHEDULES



FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT _____

(AMOUNT – Rs.)

	Current Year	Previous Year
<u>SCHEDULE 6- DEFERRED CREDIT LIABILITIES:</u>		
a) Acceptances secured by hypothecation of capital equipment and other assets		
b) Others		
<u>TOTAL</u>		
<u>Note</u> : Amounts due within one year		



Form I

[See rule 4(2)]

Name of Entity : Joint Electricity Regulatory Commission for the State of Goa and Union territories
SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT _____

(AMOUNT – Rs.)

	Current Year		Previous Year	
<u>SCHEDULES 7-CURRENT LIABILITIES AND PROVISIONS</u>				
<u>A. CURRENT LIABILITIES</u>				
1. Acceptances				
2. Sundry creditors:				
a) For Goods				
b) Others				
3. Advances received				
4. Interest accrued but not due on:				
a) Secured loans/borrowings				
b) Unsecured loans/borrowings				
5. Statutory Liabilities:				
a) Overdue				
b) Others				
6. Other current liabilities				
<u>TOTAL (A)</u>				
<u>B. PROVISIONS</u>				
1. For taxation				
2. Gratuity				
3. Superannuation/pension				
4. Accumulated leave encashment				
5. Trade warranties/claims				
6. Others (specify)				
<u>TOTAL (B)</u>				
<u>TOTAL (A+B)</u>				

Form J

[See rule 4(2)]

Name of Entity : Joint Electricity Regulatory Commission for the State of Goa and Union Territories



SCHEDULES



FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT _____

(AMOUNT – Rs.)



SCHEDULE 8 – FIXED ASSETS										
Description	GROSS BLOCK				DEPRECIATION				NET BLOCK	
	Cost/Valuation as at the beginning of the year	Additions during the year	Deductions during the year	Cost/Valuation at the year end	As at the beginning of the year	On Additions During the year	On deductions during the year	Total up to the year-end	As at the current year-end	As at the previous year-end
1. Land a) Freehold b) Leasehold 2. Buildings: a) On Freehold Land b) On leasehold land c) Ownership flats/premises d) superstructures on land not belonging to the entity 3. Plant, machinery										

1Hkkx Iµ[k.M 3(i)°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 49

and equipment 4. Vehicles 5. Furniture and fixtures a. Office equipment b. Computer peripherals c. Electric installations d. Library books e. Tube wells and water supply 6. Other fixed										
Total of current year										
Previous year										
<u>B. CAPITAL WORK-IN-PROGRESS</u>										
<u>TOTAL</u>										
(Note to be given as to cost of assets on hire purchase basis included above)										

Form K

[See rule 4(2)]

Name of Entity : Joint Electricity Regulatory Commission for the State of Goa and Union Territories **SCHEDULES**



FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT _____

(AMOUNT – Rs.)

	Current Year	Previous Year
<u>SCHEDULE 9- INVESTMENTS FROM EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS</u>		
1. In Government securities		
2. Other approved securities		
3. Shares		
4. Debentures and bonds		
5. Subsidiaries and joint Ventures		
TOTAL		



Form L

[See rule 4(2)]

Name of Entity : Joint Electricity Regulatory Commission for the State of Goa and Union Territories **SCHEDULES**
FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT _____

(AMOUNT – Rs.)

	Current Year	Previous Year
<u>SCHEDULE 10- INVESTMENTS - OTHERS</u>		
1. In Government securities		
2. Other approved securities		
3. Shares		
4. Debentures and Bonds		
5. Subsidiaries and Joint Ventures		
TOTAL		



Form M

[See rule 4(2)]

Name of Entity : Joint Electricity Regulatory Commission for the State of Goa and Union Territories



SCHEDULES



FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT _____

(AMOUNT – Rs.)

	Current Year	Previous Year
--	--------------	---------------



Schedule 11- CURRENT ASSETS, LOANS, and ADVANCES ETC. A. CURRENT ASSETS: 1. <u>Inventories:</u> a) Stores and Spares b) Loose Tools c) Stock-in-trade Finished Goods Work-in-Progress Raw Materials 2. <u>Sundry Debtors:</u> a) Debts Outstanding for a period exceeding six months b) Others 3. <u>Cash balances in hand</u> (including cheques/drafts and imprest) 4. <u>Bank Balances:</u> a) <u>With Scheduled Banks:</u> -On Current Accounts -On Deposit Account (includes margin money) -On Saving Accounts b) <u>With non-Scheduled Banks:</u> -On Current Accounts - On Deposit Accounts -On Saving Accounts 5. <u>Post Office – Saving Accounts</u>				
<u>TOTAL (A)</u>				
<u>B. LOANS, ADVANCES AND OTHER ASSETS</u> 1. <u>Loans:</u> a) Staff b) Other entities engaged in activities/ objectives similar to that of the Entity c) Other (specify) 2. <u>Advances and other amounts recoverable in cash or in kind or for value to be received:</u> a) On Capital Account b) Prepayments c) Others 3. <u>Income Accrued:</u>				
a) On Investments from Earmarked/Endowment Funds b) On Investments – Others c) On Loans and Advances d) Others (includes income due unrealized- Rs...) 4. <u>Claims Receivable</u>				
<u>TOTAL (B)</u>				
<u>TOTAL (A+B)</u>				

1Hkkx Iµ[k.M 3(i)°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 51

Form N

[See rule 4(2)]

Name of Entity : Joint Electricity Regulatory Commission for the State of Goa and Union Territories **SCHEDULES**



FORMING PART OF INCOME AND EXPENDITURE FOR THE PERIOD/YEAR ENDED -----

(AMOUNT – Rs.)

	CURRENT YEAR	PREVIOUS YEAR
<u>SCHEDULE 12- INCOME FROM SALES/SERVICES</u>		
1) <u>Income from Sales</u>		
a) Sale of finished goods		
b) Sale of raw material		
c) Sale of scraps		
2) <u>Income from Services</u>		
a) Labour and processing charges		
b) Professional/consultancy services		
c) Agency commission and brokerage		
TOTAL		



Form O

[See rule 4(2)]

Name of Entity : Joint Electricity Regulatory Commission for the State of Goa and Union Territories



SCHEDULES



FORMING PART OF INCOME AND EXPENDITURE FOR THE PERIOD/YEAR ENDED -----

(AMOUNT – Rs.)

	Current year	Previous year
--	---------------------	----------------------



<u>SCHEDULE 13- GRANTS/SUBSIDIES</u> (Irrevocable grants & subsidies received) 1) Central Government 2) State Government(s) 3) Government agencies 4) Institutions/ welfare bodies 5) International organizations 6) Others (specify)		
<u>TOTAL</u>		



Form P

[See rule 4(2)]

Name of Entity : Joint Electricity Regulatory Commission for the State of Goa and Union Territories **SCHEDULES**



FORMING PART OF INCOME AND EXPENDITURE FOR THE PERIOD/YEAR ENDED ----

(AMOUNT – RS)

	Current year	Previous year
<u>SCHEDULE 14- FEES/SUBSCRIPTIONS</u>		
1) Entrance fees		
2) Annual fees/subscriptions		
3) Seminar/program fees		
4) Consultancy Fees		
TOTAL		
NOTE – Accounting policies towards each item are to be disclosed		



Form Q

[See rule 4(2)]

Name of Entity : Joint Electricity Regulatory Commission for the State of Goa and Union Territories **SCHEDULES**



FORMING PART OF INCOME AND EXPENDITURE FOR THE PERIOD/YEAR ENDED ----

– RS)

	CURRENT YEAR	PREVIOUS YEAR
--	--------------	---------------



<u>SCHEDULE 15- INCOME FROM INVESTMENTS</u> (Income on Invest. from earmarked/endowment funds transferred to funds) 1) <u>Interest</u> a) On Govt. securities b) Other bonds/debentures 2) <u>Dividends:</u> a) On shares b) On mutual fund securities 3) <u>Rents</u> 4) Others (specify)				
TOTAL				
<u>TRANSFERRED TO EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS</u>				



Form R

[See rule 4(2)]

Name of Entity : Joint Electricity Regulatory Commission for the State of Goa and Union Territories **SCHEDULES**



FORMING PART OF INCOME AND EXPENDITURE FOR THE PERIOD/YEAR ENDED ----

(AMOUNT – RS)

	CURRENT YEAR	PREVIOUS YEAR
--	---------------------	--------------------------



<u>SCHEDULE 16- INCOME FROM ROYALTY, PUBLICATION ETC.</u>		
1) Income from royalty 2) Income from publications 3) Others (specify)		
TOTAL		

1) Hkkx IIµ[k.M 3(i)°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 53



Form S

[See rule 4(2)]

Name of Entity : Joint Electricity Regulatory Commission for the State of Goa and Union Territories **SCHEDULES**



FORMING PART OF INCOME AND EXPENDITURE FOR THE PERIOD/YEAR ENDED -----

(AMOUNT – Rs.)

	CURRENT YEAR	PREVIOUS YEAR
<u>SCHEDULE 17- INTEREST EARNED</u>		
1) <u>On Term Deposits:</u>		
a) With scheduled banks		
b) With non-scheduled banks		
c) With institutions		
d) Others		
2) <u>On Savings Accounts:</u>		
a) With scheduled banks		
b) With non-scheduled banks		
c) Post Office savings accounts		
d) Others		
3. <u>On Loans:</u>		
a) Employees/ staff		
b) Others		
4) <u>Interest on Debtors and Other Receivables</u>		
<u>TOTAL</u>		
<u>NOTE</u> – Tax deducted at source to be indicated		

Form T



[See rule 4(2)]

Name of Entity : Joint Electricity Regulatory Commission for the State of Goa and Union Territories **SCHEDULES**



FORMING PART OF INCOME AND EXPENDITURE FOR THE PERIOD/YEAR ENDED ----

(AMOUNT – Rs.)

	CURRENT YEAR	PREVIOUS YEAR
<u>SCHEDULE 18- OTHER INCOME</u>		
1) <u>Profit on Sale/disposal of Assets:</u>		
a) Owned assets:		
b) Assets acquired out of grants, or received free of cost 2)		
Export incentives realized		
3) Fees for miscellaneous service		
4) Miscellaneous income		
<u>TOTAL</u>		



Form U

[See rule 4(2)]

Name of Entity : Joint Electricity Regulatory Commission for the State of Goa and Union Territories



SCHEDULES



FORMING PART OF INCOME AND EXPENDITURE FOR THE PERIOD/YEAR

ENDED -----

(AMOUNT – Rs.)

	CURRENT YEAR	PREVIOUS YEAR
<u>SCHEDULE 19- INCREASE/(DECREASE) IN STOCK OF FINISHED GOODS &WORK IN PROGRESS</u> a) Closing stock - Finished goods - Work-in--progress b) Less: Opening stock - Finished goods - Work-in-progress		
<u>NET INCREASE /(DECREASE) [a-b]</u>		



Form V

[See rule 4(2)]

Name of Entity : Joint Electricity Regulatory Commission for the State of Goa and Union Territories



SCHEDULES



FORMING PART OF INCOME AND EXPENDITURE FOR THE PERIOD/YEAR ENDED ----

(AMOUNT – Rs.)

	CURRENT YEAR	PREVIOUS YEAR
<u>SCHEDULE 20- ESTABLISHMENT EXPENSES</u>		
a) Salaries and wages		
b) Allowances and bonus		
c) Contribution to provident fund		
d) Contribution to other fund (specify)		
e) Staff welfare expenses		
f) Expenses on employees' retirement and terminal benefits		
g) Others (specify)		
TOTAL		

¹Hkkx llμ[k.M 3(i)°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 55



Form W

[See rule 4(2)]

Name of Entity : Joint Electricity Regulatory Commission for the State of Goa and Union Territories **SCHEDULES**



FORMING PART OF INCOME AND EXPENDITURE FOR THE PERIOD/YEAR ENDED ----

(AMOUNT – Rs.)



<u>SCHEDULE 21- OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES ETC.</u>		
a) Purchases b) Labour and processing expenses c) Cartage and carriage inwards d) Electricity and power e) Water charges f) Insurance g) Repairs and maintenance h) Excise duty i) Rent, rates and taxes j) Vehicles running and maintenance k) Postage, telephone and communication charges l) Printing and stationary m) Traveling and conveyance expenses n) Expenses on seminar/ workshops o) Subscription expenses p) Expenses on fees q) Auditors remuneration r) Hospitality expenses s) Professional charges t) Provision for bad and doubtful debts/advances u) Irrecoverable balances written off v) Packing charges w) Freight and forwarding expenses x) Distribution expenses y) Advertisement and publicity z) Others (specify)		
TOTAL		

Form X
[See rule 4(2)]

Name of Entity : Joint Electricity Regulatory Commission for the State of Goa and Union Territories
SCHEDULES FORMING PART OF INCOME AND EXPENDITURE FOR THE PERIOD/YEAR ENDED -----

(AMOUNT – Rs.)

<u>SCHEDULE 22- EXPENDITURE ON GRANTS, SUBSIDIES ETC.</u> a)	Current Year	Previous Year
Grants given to institutions/ organizations		
b) Subsidies given to institutions/organizations		
<u>TOTAL</u>		
<u>NOTE-</u> Name of the entities, their activities along with the amount of grants/subsidies are to be disclosed		



Form Y

[See rule 4(2)]

Name of Entity : Joint Electricity Regulatory Commission for the State of Goa and Union Territories **SCHEDULES**



FORMING PART OF INCOME AND EXPENDITURE FOR THE PERIOD/YEAR ENDED ----

(AMOUNT – Rs.)

	CURRENT YEAR	PREVIOUS YEAR
--	---------------------	----------------------



<u>SCHEDULE 23- INTEREST</u> a) On fixed loans b) On other loans (including bank charges) c) Others (specify)		
<u>TOTAL</u>		



Form Z

[See rule 4(2)]

Name of Entity : Joint Electricity Regulatory Commission for the State of Goa and Union Territories
SCHEDULES



**FORMING PART OF THE ACCOUNTS FOR THE PERIOD/YEAR
ENDED _____**

SCHEDULE 24-SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES (Illustrative)

1. ACCOUNTING CONVENTION

The financial statements are prepared on the basis of historical cost convention, unless otherwise stated and on the accrual method of accounting.

2. INVENTORY VALUATION

2.1 Stores and Spares (including machinery spares) are valued at cost.

2.2 Raw materials, semi-finished goods and finished goods are valued at lower of cost and net realizable value. The costs are based on weighted average cost. Cost of finished goods and semi-finished goods is determined by considering material, labour and related overheads.

3. INVESTMENTS

3.1 Investments classified, as “long term investments” are carried at cost. Provision for decline, other than temporary, is made in carrying cost of such investments.

3.2 Investments classified as “Current” are carried at lower of cost and fair value. Provision for shortfall on the value of such investments is made for each investment considered individually and not on a global basis.

1Hkkx IIµ[k.M 3(i)° Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 57

3.3 Cost includes acquisition expenses like brokerage, transfer stamps.

4. EXCISE DUTY

Liability for excise duty in respect of goods produced by the entity, other than for exports, is accounted upon competition of manufacture and provision is made for excisable manufactured goods at the year-end.

5. FIXED ASSETS

5.1 Fixed Assets are stated at cost of acquisition inclusive of inward freight, duties and taxes and incidental and direct expenses related to acquisition. In respect of projects involving construction, related pre-operational expenses (including interest on loans for specific project prior to its completion), form part of the value of the assets capitalized. 5.2 Fixed Assets received by way of non-monetary grants, (other than towards the Corpus Fund), are capitalized at values stated, by corresponding credit to Capital Reserve.

6. DEPRECIATION

6.1 Depreciation is provided on straight-line method as per rates specified in the Income tax Act, 1961 except depreciation on cost adjustments arising on account of conversion of foreign currency liability for acquisition of fixed assets, which is amortized over the residual life of the respective assets.

6.2 In respect of additions to /deductions from fixed assets during the year, depreciation is considered on pro-rata basis.

6.3 Assets costing Rs. 5,000 or less each are fully provided.

7. MISCELLANEOUS EXPENDITURE

Deferred revenue expenditure is written off over a period of 5 years from the year it is incurred.

8. ACCOUNTING FOR SALES

Sales include excise duty and are net of sales returns, rebate and trade discount.

9. GOVERNMENT GRANT/SUBSIDIES

9.1 Government grants of the nature of contribution towards capital cost of setting up projects are treated as Capital Reserve.

9.2 Grants in respect of specific fixed assets acquired are shown as a deduction from the cost of the related assets.

9.3 Government grants/subsidy are accounted on realization basis.

10. FOREIGN CURRENCY TRANSACTIONS

10.1 Transactions denominated in foreign currency are accounted at the exchange rate prevailing at the date of the transaction.

10.2 Current assets, foreign currency loans and current liabilities are converted at the exchange rate prevailing at the year-end and the resultant gain/loss is adjusted to cost of fixed assets, if the foreign currency liability relates to fixed assets, and in other cases is considered to revenue.

11. LEASE

Lease rentals are expensed with reference to lease terms.

12. RETIREMENT BENEFITS

12.1 Liability towards gratuity payable on death/retirement of employees is accrued based on actuarial valuation. 12.2 Provisions for accumulated leave encashment benefit to the employees is accrued and computed on the assumption that employees are entitled to receive the benefit as at each year end

Form AA

[See rule 4(2)]

Name of Entity : Joint Electricity Regulatory Commission for the State of Goa and Union Territories **SCHEDULES**



**FORMING PART OF THE ACCOUNTS FOR THE PERIOD/YEAR
ENDED _____**

SCHEDULE 25- CONTINGENT LIABILITIES AND NOTES ON ACCOUNTS (Illustrative)

1. CONTINGENT LIABILITIES

- 1.1 Claims against the Entity not acknowledged as debts – Rs. _____ (Previous year Rs.) _____).
- 1.2 In respect of:
- Bank guarantees given by/on behalf of the Entity – Rs. _____ (Previous year Rs. _____).
 - Letters of Credit opened by Bank on behalf of the Entity –Rs _____ (Previous year Rs. _____). -
 - Bills discounted with banks Rs. _____ (Previous year Rs. _____).
- 1.3 Disputed demands in respect of:
- Income tax Rs. _____ (Previous year Rs. _____).
 - Sales tax Rs. _____ (Previous year Rs. _____).
 - Municipal Taxes Rs. _____ (Previous year Rs. _____).
- 1.4 In respect of claims from parties for non-execution of orders, but contested by the Entity – Rs. _____ (Previous year Rs. _____).

2. CAPITAL COMMITMENTS

Estimated value of contracts remaining to be executed on capital account and not provided for (net of advances) Rs. _____ (Previous year Rs. _____).

3. LEASE OBLIGATIONS

Future obligations for rental under finance lease arrangements for plant and machinery amount to Rs. _____ (Previous year Rs. _____).

4. CURRENT ASSETS, LOANS AND ADVANCES

In the opinion of the Management, the current assets, loans and advances have a value on realization in the ordinary course of business, equal authorities least to the aggregate amount shown in the Balance Sheet.

5. TAXATION

In view of there being no taxable income under Income-tax Act 1961, no provision for Income tax has been considered necessary.

6. FOREIGN CURRENCY TRANSACTIONS

6.1 Value of Imports Calculated on C.I.F Basis:

- Purchase of finished goods
- Raw, materials & components (including in transit)
- Capital goods
- Stores, spares and consumables

6.2 Expenditure in Foreign currency:

- a) Travel
- b) Remittances and interest payment to financial institutions/ banks in foreign currency
- c) Other expenditure
 - Commission on sales
 - Legal and professional expenses
 - Miscellaneous expenses

6.3 Earnings:

Value of Exports on FOB basis

6.4 Remuneration to auditors:

As Auditors

- Taxation matters
- For management services
- For certification
- Others

1Hkkx IIm[k.M 3(i)°

Hkkjr dk jkti=k % vIk/kj.k 59

7. Corresponding figures for the previous year have been regrouped/rearranged, wherever necessary.

8. Schedules 1 to 25 are annexed to and form an integral part of the Balance Sheet as at _____ and the Income and Expenditure Account for the year ended on that date.

Name of Entity : Joint Electricity Regulatory Commission for the State of Goa and Union Territories 1)The financial statements of non-profit and other similar organizations (viz., Balance Sheet and Income and Expenditure Account) shall be prepared on accrual basis; shall be in the form suggested, or as near thereto as possible.



If the information required to be given under any of the items or sub-items in this



Form cannot be conveniently included in the Balance Sheet or the Income and Expenditure Account itself, as the case may be, it can be furnished in a separate Schedule or Schedules to be annexed to and forming part of the Balance Sheet or The Income and Expenditure Account. This is recommended where items are numerous.

- 2) A statement of all significant accounting policies adopted in the preparation of the Balance Sheet and the Income and Expenditure Account shall be included in the financial statements, and the significant Accounting Policies should be disclosed at one place. Accounting Policies refer to the specific accounting principles and the method of applying those principles adopted by the Entity in the preparation of the financial Statements. Where any of the accounting policies is not in conformity with accounting standards, and the effect of departures from accounting standards is material, the particulars of the departure shall be disclosed, together with the reasons there for and the financial effect thereof, except where such effect is not ascertainable.
- 3) Accounting policies shall be applied consistently from one financial year to the next. Any change in the accounting policies which has a material effect in the Current period or which is reasonably expected to have a material effect in latter periods shall be disclosed. In case of a change in accounting policies, which has a material effect in the current period, the amount by which any item in the financial statements is affected by such change shall also be disclosed to the extent ascertainable. Where such amount is not ascertainable, wholly or in part, the fact shall be disclosed.
- 4) The accounting treatment and presentation in the Balance Sheet and the Income and Expenditure Account, of transactions and events shall be governed by their substance and not merely by the legal form.
- 5) In determining the accounting treatment and manner of disclosure of an item in the Balance Sheet and/ or the Income and Expenditure Account, due consideration shall be given to the concept of materiality.
- 6) Provision shall be made for all known liabilities and losses even though the amount cannot be determined with substantial accuracy (and the amount of provision represents only a best estimate in the light of available information).

‘Provision’ means any amount written off or retained by way of providing for (depreciation, renewals or diminution in value of assets, or retained by way of providing for any known liability, the amount of which cannot be determined with substantial accuracy.

Provision shall be made for contingent loss if:

- a) It is probable that future events will confirm that, after taking into account any related probable recovery, an asset has been impaired or liability has been incurred at the balance sheet date, and
- b) A reasonable estimate of the amount of the resulting loss can be made.

If either of the above conditions is not met, the existence of the contingent loss shall be disclosed by way of a note to the Income and Expenditure account, unless the possibility of the loss is remote.

- 7) Where any amount written off or retained by way of providing for depreciation, renewals or diminution in the value of assets or retained by way of providing for any known liability is in excess of the amount, which is considered reasonably necessary for the purpose, the excess shall be treated as a reserve and not as a provision.
- 8) Revenue shall not be recognized unless:
 - a) The related performance has been achieved;
 - b) No significant uncertainty exists regarding the amount of the consideration; and c)It is not unreasonable to expect realization and ultimate collection.
- 9) Separate disclosure shall be made in the Income and Expenditure Account in respect of:
 - a) “Prior Period” items, which comprise material items of income or expenses which arise in the current period as a result of errors or omissions in the preparation of the financial statements of one or more prior periods.
 - b) “Extra-ordinary” items, which are material items of income or expenses, that arises from events or transactions that are clearly distinct from the ordinary activities of the entity and, therefore, are not expected to recur frequently or regularly.
 - c) Any item under the head “Miscellaneous Income” which exceeds 1 percent of the total turnover/gross income of entity or Rs. 50,000/-, whichever is higher. This shall be shown against an appropriate account head in the Income and Expenditure Account.
 - d) Any item under the head “Miscellaneous Expenses “ which exceeds’ 1 percent of the total turnover/gross income of entity or Rs. 50,000/- whichever is higher. This shall be shown as a separate and distinct item against an appropriate head in the Income and Expenditure account.
- 10) The Schedules referred to in the form, the accounting policies and explanatory notes shall form an integral part of the financial statements.

- 11) Notes to the Balance Sheet and Income and Expenditure Account shall contain the explanatory material pertaining to the items in the Balance Sheet and the Income and Expenditure Account.
- 12) The figures in the Balance Sheet and the Income and Expenditure Account, if rounded off, shall be rounded off as below:

Amount of turnover (in Rs.)	Rounding off to (Rs.)
Less than One lakh	Hundred
One lakh or more but less than one crore	Thousand
One crore or more but less than one hundred crore	Lakh
One hundred or more but less than one thousand crore	Crore

- 13) Reference may also be made to the enclosed Notes and Instructions for compilation in relating to in the formats Suggested.



Schedule-III

Notes and Instructions

[See rule 4(2)]

Name of Entity : Joint Electricity Regulatory Commission for the State of Goa and Union Territories

CORPUS/CAPITAL FUND AND LIABILITIES



SCHEDULE 1- CORPUS/CAPITAL FUND

- (a) Corpus/Capital Fund is akin to Capital, Share Capital or Owner's Funds. It comprises amounts received by way of contributions specifically to the Corpus, as increased/decreased by the net operating results shown in the Income and Expenditure Account (other than surplus, if any, transferred to any Reserves or Earmarked Funds).
- b) The Opening Balance, Additions to, Deductions from and the Closing Balance of the Corpus/ Capital Fund shall be shown under this head.
- c) Additions to the Corpus Fund shall be net of transfers, if any, to any Reserve or Earmarked Fund required under statute or as per applicable Regulations.



SCHEDULE 2- RESERVES AND SURPLUS

1. CAPITAL RESERVES:

The expression 'capital reserves' shall not include any amount regarded as free for distribution through the Income and Expenditure Account. Surplus on *

Opening balance

revaluation should be treated as Capital Reserves and shown separately.

** Additions during the year*

Surplus on translation of financial statements of foreign branches, if any, is no revaluation reserve.

** Deductions during the year*

¹Hkkx Hμ[k.M 3(i)^o

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 61

2. REVALUATION RESERVE:

To reflect effects of changing prices, fixed assets otherwise stated at historical cost substituted by a revaluation, normally done by competent valuers. Such *

Opening balance

substitution resulting in an upward revaluation is required to be shown as a * "Revaluation Reserve". This reserve is an unrealized gain and should not be credited as income in the income and Expenditure Account.

Additions during the year

** Deductions during the year*

3. SPECIAL RESERVES (S):

These would comprise Special reverse requires to be create pursuant to any statutory or regulatory requirement applicable to the entity; and if so, should be *

Opening balance

clarified in the Notes on Accounts in Schedule 27.

** Additions during the year*

** Deductions during the year*

4. GENERAL RESERVE:

The expression 'General Reserve' shall mean any reserve other than capital reserve and revaluation reserve. This item will include all reserves, other than *

Opening balance

those separately classified.

** Additions during the year*

** Deductions during the year*

NOTES GENERAL

(a) Movements in various categories of reserves should be shown as indicated in the schedule.

(b) The expression 'reserve' shall not include any amount written off or retained by way of providing for depreciation, renewals or diminution in value of assets or Retained by way of providing for any known liability.

SCHEDULE 3-EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS

Amounts received as grants or assistance, or retained by the entity to be utilized for specific or earmarked purposes and remaining to be expended/utilized for the specific purpose for which these are intended, are required to be disclosed under this head. Such funds may be received in cash or kind from Government, Govt. agencies, institutions and other agencies etc. and are subject to compliance by the entity, of certain stipulated terms and conditions. For this reason, the balances available and their utilization should be disclosed in the manner suggested in the Schedule. The plan Funds received from the Central and /or State Governments are to be shown as distinct category of Fund.

Other plan funds earmarked/endowed for any chair, house, building, Trust etc. are to be shown as distinct category of Fund.

The following shall not be reckoned as part of Earmarked Funds:

- Grants/funds, which have the characteristics of promoters' contribution, which are of the nature of additions/accretion to the Corpus Fund:
- Funds/grants received by the Entity as compensation for expenditure/losses incurred in the earlier years, as these would be reckoned only in the Income and Expenditure Account for the year.
- Non-monetary grants by way of capital assets or other resources, corresponding credit of which is of the nature of capital reserve, unless such grants are specified as irrevocable contribution to the Corpus.

Notes- General

- It is appropriate to ensure that the accretions to and utilization of earmarked funds is in accordance with the terms and conditions attaching to the same.
- Earmarked Funds, considering their nature, are represented by specifically earmarked investments or other assets.

- c) Plan Funds received from the Central/State Governments are to be shown as separate Funds and not to be mixed up with any other Funds.
- d) Records relating to fixed assets acquired/constructed should be maintained for each earmarked fund.
However, for the purpose of the annual financial statements disclosure may be made of the aggregate accumulated cost up to each year and of such fixed assets in respect of each fund, unless the assets are taken over and are incorporated in Schedule 8.



SCHEDULE 4 –SECURED LOANS AND BORROWINGS

- | | |
|----------------------------------|---|
| 1. Central Government | Indicate the nature of security and terms of repayment. Indicate the name of State Govt. and nature of security and terms of repayment. |
| 2. State Government | |
| 3. Financial Institutions | Includes borrowings/refinance obtained from Industrial Development Bank of India, Export-Import Bank of India, National Bank for Agriculture and Rural Development (including liability against participation certificates, if any.) Normally these may be in the form of Term Loans. |
| 4. Banks | Includes borrowings/refinance obtained from commercial banks (including co-operative banks). Term Loans need to be segregated from other facilities. |
| a) Terms Loans | |
| b) Other Loans | |
| 5. Other institutions & agencies | Includes institutions/agencies other those mentioned above. |
| 6. Debentures and Bonds | The terms of redemption of debentures and bonds should be stated with the earliest date of their redemption. |

Notes - General

- a) Information shall be given in each case as regards the nature of security given.
- b) Secured loans and borrowings shall be such as are against hypothecation/pledge/charge on the assets of the entity.
- c) The Aggregate amount of loans under each head, as are guaranteed by the Central/State Govt. may also be mentioned along with the fact that these are so guaranteed.
- d) Loans and borrowings include refinance from Institutions and agencies liability against participation certificates.
- e) Amounts received by way of discount of debtors or receivables or rediscount of bills, shall not be included under this head, but shall be shown as borrowings.
- f) Interest accrued and due shall be included under sub-head. Interest accrued but not due shall not be included under this head, but shall be shown as part of Current Liabilities'.
- g) Unrecognized Inter-branch outstanding entries at credit should not be shown as borrowings.
- h) Amounts due within a period of less than 12 months as at the Balance Sheet date need to be disclosed.

SCHEDULE 5 –UNSECURED LOANS AND BORROWINGS

1. Central Government	Indicate the terms of repayment.
2. State Governments (s)	Indicate name of the State Government and the terms of repayment.
3. Financial Institutions	Includes borrowings obtained from Industrial Bank of India. Export-Import Bank of India, National Bank for Agriculture and Rural Development. Normally these may be in the form of Term Loans. Pending creation of a charge on assets, bridge loans may be given as 'unsecured' loans.
4. Banks	Includes borrowings obtained from Commercial Banks (including Cooperative Banks). Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 63 Indicate the nature of facilities. Overdrawn balances as per books do not constitute loans and generally arise due to cheques issued in excess of book balances such balances can be shown as loans only where the Entity enjoys or is granted overdraft facility.
5. Other institutions and agencies	Includes Loans from Institutions/Agencies other than those mentioned above.
6. Debentures and Bonds	The terms of redemption of Debenture and Bonds should be stated with the earliest date of their redemption.
7. Fixed Deposits	These comprise deposits received from Public or otherwise for fixed periods and against no security.

Notes- General

- Unsecured loans and borrowings comprise amounts in respect of which no assets of the entity is charged as security or encumbered.
- Interest accrued and due shall be included under each sub-head. Interest accrued but not due shall not be included under this head, but shall be shown as part of Current Liabilities.
- Amount due within a period of less than 12 months as at the Balance Sheet date need to be disclosed.

SCHEDULE 6 –DEFERRED CREDIT LIABILITIES

- Acceptances and other similar long –term obligations contracted in respect of acquisition of assets, the liability for payment of which falls in periods longer than 12 months as at date of the Balance Sheet should be included here.
- If the assets are charged as security or encumbered corresponding to the liability, this fact should be stated. 3) If the acceptances are also guaranteed for repayment by the Government, any Govt. Agency, Bank, Institution or other body/entity, this fact should also be stated.
- Amounts due within one year of the date of the Balance Sheet need to be separately disclosed.

SCHEDULE 7 –CURRENT LIABILITIES AND PROVISIONS

A. CURRENT LIABILITIES

- | | |
|---|--|
| 1. Acceptances | Included under this sub-head would be the drawer's assent on bills of exchange to the order of the drawer. |
| 2. Sundry Creditors | The amounts to be shown against this sub-head shall comprise amounts owed by the entity in favour of others on account of goods purchased or services rendered a) |
| For Goods | or in respect of contractual obligations. These need to be segregated for goods b) |
| Others | and shown separately. |
| 3. Advances Received | The liability against this sub-head shall comprise amounts received in respect of which goods or services have yet to be supplied/rendered or for which value has yet to be given, and includes advance subscriptions. |
| 4. Interest accrued but not due | Includes interest accrued up to the year-end but not due on secured/unsecured loans and borrowings. |
| a) Secured Loans/Borrowings | |
| b) Unsecured Loans/Borrowings | |
| 5. Statutory Liabilities | These comprise liabilities in terms of the Central/State laws governing the Entity; |
| and include unpaid liability for tax deducted at source under the Income a) Overdue | Tax Act, 1961, statutory bonus, provident fund, pension, gratuity, ESI, interest to b) |
| Others | SSI Units on their overdue, sales tax, excise, customs duty, and other statutory levies. |
| | Overdue liabilities are undisputed amounts which are due and remain unpaid beyond the normal due date/stipulated period i.e those are in default. |

Notes- General

A Current Liability is one, which falls due for payment within a relatively short period, normally not more than 12 months.

B. PROVISIONS

- | | |
|----------------------------|--|
| 1. For Taxation | Provisions needs to be made and retained based on the status of tax matters as at the year –end. |
| 2. Gratuity | Provisions for liability towards gratuity payable on death/retirement of employees needs to be accrued on actuarial basis, and provided up to the year-end. |
| 3. Superannuation/Pension | Provision for liability payable towards superannuation of employees needs to be actuarial basis, and provided upto the year-end. |
| 4. Accumulated Leave | Provisions for liability towards accumulated leave encashment of employees needs to be accrued on actuarial basis, and provided upto the year-end |
| 5. Trade Warranties/Claims | Where the entity is manufacturing/processing goods for sale, it may be liable to trade warranty risks, which needs to be provided for on a reasonable/rational basis |
| 6. Others: | These need to be specified, and shall not include provision for doubtful debts/advances, which shall be reduced from the relevant asset heads. |

Notes- General

Provisions is an amount written off or retained by way of providing for depreciation or diminution in the value assets, or retained by way of providing for a known liability, the amount of which cannot be determined with substantial accuracy.

ASSETS

SCHEDULE 8 – FIXED ASSETS:

1 LAND a)Freehold b) Leasehold	Where immovable properties are purchased/acquired by paying a composite cost, a reasonable/reliable estimate should be made of the land cost and shown separately. Leasehold land should be amortized over the period of lease unless the lease is in perpetuity.
2 BUILDINGS a)On freehold land b) On leasehold land c) Ownership Flats/ Premises d) Superstructures on Land not belonging to the Entity	As far as practicable, distinction may be made between factory and office buildings for purposes of provision for depreciation at different rates. Building/premises shall be those which are intended to be wholly/partly used for the purposes of the activities of the Entity and would not include “Investment Properties”. Superstructures on leasehold lands should be depreciated to be co-terminus with the amortisation of land, unless the superstructures have a shorter life. Building shall include roads, bridges, and culverts.
3. PLANT, MACHINERY & EQUIPMENT	Included under this Sub-head would be items like: - Earth moving Machinery - Boilers - Furnaces - Generators - Dyes/Mould - Machinery used for specific industry/services like Building contractors, in hospitals/clinics, processing units, hydraulic works (including pipelines), Tool rooms
¹ Hkkx Ιμ[k.M 3(i) ^o	Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 65 - Other items used for manufacture/processing etc. Separate Account heads should be maintained in the ledgers and kept reconciled with the Fixed Assets registers. Disclosure of Information under the above sub-heads is encouraged.
4. VEHICLES	Included under this sub-head would be items like: - Tractors/Trailers - Trucks, Jeeps and Vans - Motor Cars - Motor Cycles, Scooters, Three Wheelers and Mopeds - Rickshaws Separate Account heads should be maintained in the ledgers and kept reconciled with the Fixed Assets registers. Disclosure of Information under the above sub-heads is encouraged
5. FURNITURE, FIXTURES	Included under the above sub-head would be items like: a) Cabinets/Almirahs/Filing Racks b) Air-conditioners / Air conditioning Plant c) Air Coolers d) Water Coolers e) Tables/Chairs/Sofas/Carpets f) Wooden partitions/temporary structures g) Voltage Stabilizers, UPS Systems h) Other Items Separate Account heads should be maintained in the ledgers and kept reconciled with the Fixed Assets registers. Disclosure of Information under the above sub-heads is encouraged, for material amounts.

6. OFFICE EQUIPMENT	Included under the above sub-head would be items like: a) Typewriters b) Photocopiers/duplicators c) Fax Machines Separate Account heads should be maintained in the ledgers and kept reconciled with the Fixed Assets registers. Disclosure of Information under the above sub-heads is encouraged, for material amounts.
7.COMPUTER/ PERIPHERALS	Computers, Printers and their peripherals like the Floppies, CDs, and Software etc. would the items under this head. Separate Account heads should be maintained in the ledgers and kept reconciled with the Fixed Assets registers. Disclosure of Information under the above subheads is encouraged, for material amounts.
8.ELECTRIC INSTALLATION	Include under the above sub-head would be items like: a) Electrical Machinery b) Electric Lights/Fans c) Switch gear instruments d) Transformers e) Electric Wiring and fittings
	Separate Account heads should be maintained in respect of above items and kept reconciled with the Fixed Assets registers. Disclosure information under the above sub-heads is encouraged, for material amounts.
9. LIBRARY BOOKS	In some cases the number of Library Books could be very large or there may be an established Library. In such cases these books may be disclosed as a separate category of assets. Library books will include books/ journals/ information stored in CD ROMs.
10 TUBEWELLS & WATER SUPPLY SYSTEMS	Tube wells and Water Supply System may be shown as a distinct category.
11 CAPITAL WORK- IN- PROGRESS	Fixed assets in the course of construction should be shown against this head till they are ready for their intended use. Plant. Machinery and equipment acquired and pending installation should also be included here.

Notes - General

1 Fixed Assets are those assets, which are held with the intention of being used for the purpose of producing or providing services and not held for sale in the normal course of trade.

2 Under each sub- head should be shown:

- The cost or the valuation as at the beginning of the year.
- Additions during the year (both acquisitions and by way of grants).
- Deductions (including sales, disposals, write-offs) during the year.
- The total cost/valuation as at the year-end.
- Depreciation upto the previous year-end, that on addition during the year and the total accumulated depreciation upto the year ends.
- The net block of the assets as at the year-end.

3. The accounting policy relating to accounting for fixed assets acquired (including by way of grants or at concessional rates), or constructed should be disclosed along with the method adopted for depreciation/amortization.

4. Where sums have been written up for any assets due to their revaluation, the basis thereof should be disclosed; and every balance sheet after the first balance sheet subsequent to the revaluation should shown the revised figures for a period of five years with the date and amount of revision.

5. Where grants relating to specific fixed assets are received and these are equal to the whole or virtually the whole of the cost of the asset, the fixed assets should be shown in the Balance Sheet at nominal value.

Alternatively, grants related to depreciable fixed assets may be treated as deferred income and recognized in the income and Expenditure Account On a systematic and rational basis over the useful life of such assets i.e. such grants should be

allocated to income over the periods and in the proportions in which depreciation is charged. Grants related to non-depreciable assets should be credited to “Capital Reserve” ‘ unless there are pre-conditions requiring fulfillment.

6. Depreciation

Depreciation shall be provided so as to charge the depreciable amount of a depreciable asset over its useful life.

Depreciation is a measure of the wearing out, consumption or other loss of value of a depreciable asset arising from use, effluxion of time or obsolescence through technology and market charges. It includes amortization of assets the useful life of which is determined and depletion of wasting assets.

For this purpose:

a) Depreciable asset means an asset which -

- i. is expected to be used during more than one accounting period, and
- ii. Has a limited useful life; and
- iii. Is held by the entity for use in the production or supply of goods and services, for rental to others, or for administrative purpose and not for the purpose of sale in the ordinary course of its business/operating activities.

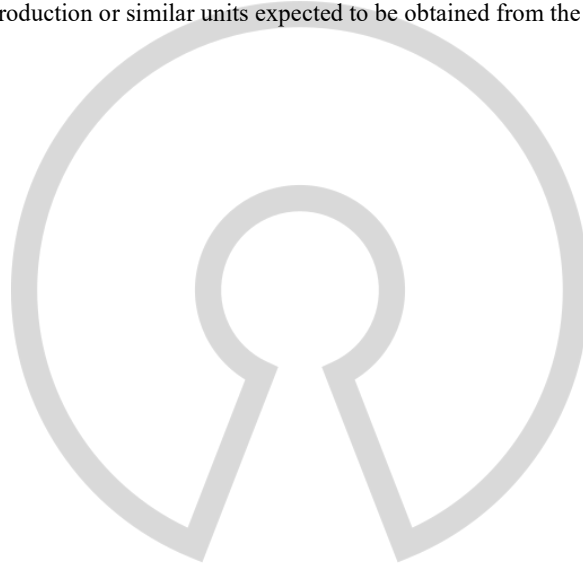
'Hkkx IIµ[k.M 3(i)°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 67

b) Depreciable amount of a depreciable asset means its original cost, or other amount substituted for original cost in the financial statements less the residual value;

c) Useful life means either-

- i. The period over which a depreciable asset is expected to be used by the Entity, or
- ii. The number of production or similar units expected to be obtained from the use of the asset by the Entity.



SCHEDULE 9 – INVESTMENTS – FROM EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS:

1 Government Securities	Includes Central and State Government securities and Government Treasury Bills. These securities should be shown at cost/book value. However, the difference between such value and market value should be given in the notes to the Balance Sheet.
2 Other approved Securities	Securities other than Government Securities, treated as approved securities (such as Trustee securities), should be included here.
3. Shares	Investments in shares of companies and Corporations not included in item 2 should be included here.
4. Debentures and Bonds	Investments in debentures and bonds of companies and corporations not included in item 2 should be included here.
5. Subsidiaries and /or joint ventures	Investments in subsidiaries/associate entities should be included here. An entity shall be treated as a subsidiary or joint venture, if the entity exercises control over the composition of management/governing body, with or without any financial investment there in. An entity will be considered as subsidiary for the purpose of this classification if more than 25% of the corpus of that entity is held by the entity as at the beginning of the year.
6. Others(to be specified)	Includes residual investments, if any, like commercial paper, investments (to be specified) in Mutual Funds and other instruments not being in the nature of shares/debentures/bonds. Investments in Properties, if any, would also be included here.

Notes- General

- The Gross value in aggregate, the depreciation in aggregate and net value of Investments are to be separately disclosed. Approved securities [covered by 1 and 2 above] are required to be bifurcated into “permanent” and “current” categories for valuation and determination of shortfall in value.
- Investments can either be “Long term “ or “Permanent “ or “Current”.
 - “Current Investment” means an investment, which is by its very nature, readily realizable and is intended to be held for not more then one year from the date on which it is made. Such investments should be shown at lower of cost or their fair value, which shall be determined on individual investment basis and the shortfall shall be provided, while appreciation shall be ignored.
 - Long term investments are those investments, which are other than current investments, and these are intended to be held for the purposes of Capital appreciation and yield. Such investments are held at cost and shall be reduced when there is a decline, other than temporary, in their value-reduction being made for each investment.
- Investments held against earmarked/endowment funds need to be separately disclosed.
- Investments in properties, if held, shall be shown at cost less depreciation in the same manner as in the case of fixed assets.
- The entity shall disclose the Accounting Policy in relation to investments, their cost, depreciation and carrying value- both for long term & current investments.
- Any premium paid on acquisition of permanent investments shall be amortized on a time proportion basis upto the date of their maturity. Discount on Acquisition shall not be amortized.
- Matured investments, not realized may be separately disclosed.

SCHEDULE 10 – INVESTMENTS – OTHERS:

1 Government Securities

Includes Central and State Government securities and Government Treasury Bills.

These securities should be shown at cost/book value. However, the difference between such value and market value should be given in the notes to the Balance Sheet.

2 Other approved Securities

Securities other than Government Securities, treated as approved securities (such as Trustee securities), should be included here.

3. Shares

Investments in shares of companies and corporations not included in item 2 should be included here.

4. Debentures and Bonds

Investments in debentures and bonds of Companies and Corporations not included in item 2 should be included here.

5. Subsidiaries and / joint ventures

Investments in subsidiaries/associate entities should be included here. An entity shall be treated as a subsidiary or joint venture, if the entity exercises control over the composition of management/governing body, with or without any financial investment there in.

An entity will be considered as subsidiary for the purpose of this classification if more than 25% of the corpus of that is held by the entity as at the beginning of the year.

6. Others

Includes residual investments, if any, like commercial paper, investments (to be specified) in Mutual Funds and other instruments not being in the nature of shares/debentures/bonds. Investments in properties, if any, would also be included here.

Notes- General

1. The gross value in aggregate, the depreciation in aggregate and net value of investments are to be separately disclosed. Approved securities [covered by 1 and 2 above] are required to be bifurcated into “permanent” and “current” categories for valuation and determination of shortfall in value.
2. a) Investments can either be “Long term “ or “Permanent” or “Current”.
 - b) “Current Investments” means an investment, which is by, is very nature, readily realizable and is intended to be held for not more than one-year from the date on which it is made. Such investments should be shown at lower of cost or their fair value, which shall be determined on individual investment basis and the shortfall shall be on provided, while appreciation shall be ignored.
 - c) Long term investments are those, which are other than current investment, and these are intended to be held for the purposes of capital appreciation and yield. Such investments are held at cost and shall be reduced when there is a decline, other than temporary, in their value-reduction being made for each Investment.
3. Investments held against earmarked/endowment funds are disclosed in Schedule 9.
4. Investments in properties, if held, shall be shown at cost less depreciation in the same manner as in the case of fixed assets.
5. The entity shall disclose the Accounting Policy in relation to investments, their cost, depreciation and carrying value- both for long term & current investments.
6. Any premium paid on acquisition of permanent investments shall be amortized on a time proportion basis upto the date of their maturity. Discount on Acquisition shall not be amortized.
7. Matured investments, not realized may be separately disclosed.

1Hkkx Ilμ[k.M 3(i)°

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 69

SCHEDULE 11 – CURRENT ASSETS, LOANS, ADVANCES, ETC.

A. CURRENT ASSETS:

1. Inventories:

Inventories comprise tangible property held for sale in the ordinary course of business, or in the process of production for such sales, or for consumption in a)

 - Stores and Spares

the production of goods or services for sale, including maintenance supplies
 - b) Loose Tools

and consumables other than machinery parts
 - c) Stock-in-trade

Basis of valuation of inventories should be disclosed

 - Finished Goods

Finished goods would include goods purchased/ produced and lying in hand at all locations of the entity.
 - Work-in-progress

Raw materials would also include parts or components used or consumed in -
 - Raw Materials

the progress of production of goods for sale.
2. Sundry Debtors:

Debtors comprise persons from whom amounts are due for goods sold or service rendered or in respect of contractual obligations.

 - a) Debts Outstanding for a period exceeding six months

Debts considered good for recovery and those considered doubtful shall be shown separately. Provisions for doubtful debts, if made, should be shown as b)
 - Others

a reduction from the amount of debts considered doubtful.
3. Cash balances in hand:
(Including cheques/drafts and imprest)
4. Bank Balances:

Amounts held, as bank balances against earmarked/endowment funds should be separately disclosed.

 - a) With Scheduled Banks

Where any deposit accounts are pledged or charged as security or are - On

 - Current Accounts

encumbered, the fact should be disclosed.
 - On Deposit Accounts

Overdue/Matured Deposits should be separately disclosed.
 - (Includes margin money)
 - On Saving Accounts
 - b) With Non- Schedule Banks
 - On Current Accounts
 - On Deposit Accounts
 - On Saving Accounts
5. Post Office – Saving Accounts:

B. LOANS, ADVANCES AND OTHER ASSETS:

1. Loans:

Loans and advances as are considered good & recoverable should be disclosed.

Doubtful amounts, if any, should be stated under each sub- head, and provision, if a)

 - Staff

made, should be shown as a reduction there from.
 - b) Other Entities engaged in activities/Objectives

Interest accrued on interest bearing staff loans should be accounted

notwithstanding that actual recoveries of interest might commence after repayment

similar to that of the

of principal.
 - Entity

Others (specify)	Irrevocable grants/subsidies/donation to such entities shall not be included here. If c) interest –bearing, the amount of interest earned up to the year-end should be adjusted.
2. Advances and other amounts recoverable in cash or kind or for value to be received:	Advances to suppliers/contractors for capital works should be shown against this in sub-head. This includes prepaid expenses.
a) On Capital Account	This would comprise receivables other than the debtors. b)
Prepayments	
c) Others	
3. Income Accrued:	
a) On Investments from Earmarked/Endowment Funds	Both ‘Income accrued and due’ and ‘Income accrued but not due’ upto the year-end should be included under this head. Income on Investment from Earmarked/ Endowment Funds and that on Other
b) On Investments – Others	Investment should be shown separately.
c) On Loans and Advances	If uncertainty attaches to realization or ultimate collection, income should not be recognized, and if recognized, should be provided for.
d) Others (includes income due unrealized -Rs)	Dividends should be recognized based on the date(s) of their declaration. Separate disclosure should be made in respect of Income accrued, due but not realized.
4. Claims Receivable:	Only claims, which are considered good and realizable, should be included.

SCHEDULE 12 – INCOME FROM SALES/SERVICES

INCOME FROM SALES:

1. Income from sales
- Sales comprise the aggregate amount for which sales are affected. These would be shown net of trade discounts, rebate and returns. a)
- Sale of Finished Goods
- Sales are complete when significant risks and rewards of ownership get b)
- Sale of Raw Material
- transferred from the seller to the buyer, irrespective of the time of payment or delivery of the goods.
- c) Sale of Scraps
- Disclosure of export sales should be made separately.
2. Income from Services
- Income must be shown at gross figures and tax deducted at source should be indicated separately.
- a) Labour and Processing Charges
- Labour and Processing charges realizable for processing/ fabrication of b)
- Professional/Consultancy
- goods/materials of other entities should be disclosed against this sub-head.
- Services
- Consultancy charges and fee for rendition of Professional services by the c)
- Agency Commission and
- entity should be included under this sub head.
- Brokerage
- Where the Entity acts as a broker or agent for arranging supply of goods/ d)
- Maintenance Services
- services of others, i.e. without acting on a principal to principal basis, the
- (Equipment/property
- commission and brokerage income earned would be shown against this
- e) Others (Specify)
- sub-head
- Where the Entity undertakes maintenance contracts for equipment or property etc., the income earned up to the ear-end from this source should be included under this sub-head.
- Hkkx Ilμ[k.M 3(i)°
- Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 71

SCHEDULE 13 – GRANTS/SUBSIDIES:

(Irrevocable Grants & Subsidies Received)

1) Central Government Grants Subsidies or other similar assistance received for the general purpose and objectives of the Entity, on an irrevocable basis, or to cover expenditure incurred 2)

State Government(s)

in prior periods shall be included in this Schedule.

3) Government Agencies

Institutions/ Welfare Bodies These grants etc. are without any conditions attached as to their utilization and are 4) of the nature of non- refundable amounts, which are to be appropriated to income.

5) International Organizations The gross receipts shall be shown against each sub-head, and grants/subsidies which are given in turn to other institution/organizations on irrevocable basis, as 6) Others (specify) expenditure should be considered in Schedule 22.



SCHEDULE 14 – FEES/SUBSCRIPTIONS:

- | | |
|------------------------------|---|
| 1) Entrance fees | Accounting policies on each item will have to be disclosed. |
| 2) Annual fees/subscriptions | In case the fees like entrance fee, subscriptions etc. are in the nature of capital receipts, such amount should go to the Corpus/Capital Fund. Otherwise such fees 3) |
| Seminar/program fees | will be incorporated in this schedule. |
| 4) Consultancy fees: | In case the major activities of the entity are to organize seminar/workshop and/ or 5) |
| Others (specify) | provide consultancy services, such income should form part of the Schedule 12. |
| | The gross receipts should be shown here. Expenditure incurred on seminar/workshops, consultancy etc. should be shown as 'other administrative expenses' in the schedule 21. |



SCHEDULE 15 – INCOME FROM INVESTMENTS:

- 1) Interest
 1. Income form investments shall be disclosed at gross figures and tax deducted at source is to be stated separately.
 2. Interest on Govt. securities shall comprise
 - a) Interest earned at coupon rate upto the last applicable date of interest, i.e. interest accrued & due; and
 - b) Interest accrued thereafter upto the year-end at the coupon rate.
 3. Income on bonds and debentures would include discount accrued upto the 3) year-end on bonds issued at a discount, to be redeemed at par or on premium, based on the terms of their issue.
- 2) Dividends:
 - a) On shares
 - b) On mutual fund securities
- Rents
- 4) Others (Specify)
 4. Dividends shall be accrued, based on the dates of declaration thereof i.e. when the entity has a right to receive the same.
 5. Rent shall be shown as income on investments on properties, if any.
 6. Interest claimed on overdue/matured investments shall not be recognized unless pre-conditions for such recognition are satisfied.
 7. Distinction should be made in respect of income on investments:
 - a) Owned by the entity; and
 - b) Those held against earmarked/endowment funds
 8. At the year- end total of the income on investment from earmarked/ endowment funds should be transferred to the funds through schedule 13.

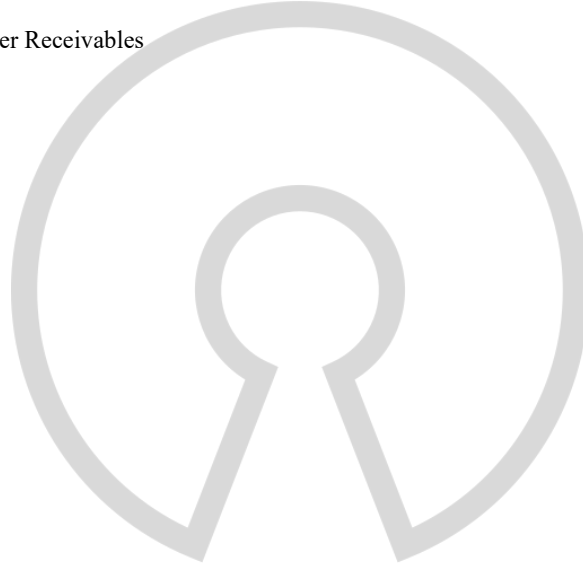
SCHEDULE 16 – INCOME FROM ROYALTY, PUBLICATION ETC:

- | | |
|-----------------------------|---|
| 1) Income from Royalty | Accounting policies on each item will have to be disclosed. |
| 2) Income from Publications | In case the major activities of the entity are to publish books, journals, documents etc., such income should form part of the Schedule 12. |
| 3) Others (Specify) | <p>The gross receipts should be shown here. Expenditure incurred on publication etc. should be shown as ‘other administrative expenses’ in the schedule 21.</p> |



SCHEDULE 17 – INTEREST EARNED:

1. On Term Deposits:
 - a) With Scheduled Banks
 - b) With Non-Scheduled Banks
 - c) With Institutions
 - d) Others
 2. On Savings Accounts:
 - a) With Scheduled Banks
 - b) With Non-Scheduled Banks
 - a) on assets owned by the entity; and
 - b) those held against earmarked/endowment fund;
 - c) Post Office Savings Accounts
 - d) Others
 3. On Loans:
 - a) Employees/Staff
 - b) Others
 4. Interest on Debtors & Other Receivables
1. Interest income earned should be shown at gross figures and tax deducted at source is to be stated separately.
2. Distinction should be made in respect of Income;



SCHEDULE 18 – OTHER INCOME:

1. Profit on Sale/disposal of Assets Sales proceeds/realization, net of the book value of the assets shall, if a surplus, be included under sub-head.
 - a) Owned assets
 - b) Assets acquired out of Grants or received free of cost.
 2. Export Incentives realized Export incentives claimed and not realized upto the year –end shall be included in Income.
 3. Fees for Miscellaneous Services
 4. Miscellaneous Income
Items of material amounts included in Miscellaneous Income should be separately disclosed.
- १Hkkx IIµ[k.M 3(i)° Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 73



SCHEDULE 19- INCREASE/(DECREASE) IN STOCK OF FINISHED GOODS & WORK-IN-PROGRESS:

a) Closing stock

Accounting policies regarding valuation of stock should be declared.

- Finished Goods
- Work- in- Progress
- b) Less: Opening Stock
- Finished Goods
- Work- in - Process

SCHEDULE 20- ESTABLISHMENT EXPENSES:

- a) Salaries and Wages The gross expenditure against each head including in respect of staff on deputation should be disclosed.
- b) Allowances and Bonus Statutory obligations of the entity towards provident fund, Employees' state c)
Contribution to Provident Fund insurance, retirement benefits etc. should be disclosed clearly and item-wise.
- d) Contribution to Other Fund In case of recoveries like fines, penalties etc. the same should not be (specify)
deducted for the expense heads but included under 'Other Income' in the e)
Staff Welfare Expenses Schedule 18.
- f) Expenses on Employees' retirement and terminal benefits
- g) Others (specify)

Notes – General

Prior period items:

Prior period and extraordinary items shall be separately disclosed so that the effect thereof on the net expenditure for the year is known.



SCHEDULE 21– OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES, ETC.

a) Purchases*	The gross expenditure against each head should be disclosed.
b) Labour and processing expenses	In case of recoveries e.g. rent recoveries, freight charges recovered, fines, penalties, damages from suppliers etc., the amount of such recoveries c)
Cartage and Carriage Inwards	should not be deducted from the expenses heads but included under d)
Electricity and Power	Schedule 16-“Other Income”.
e) Water charges	Prior period and extraordinary Items shall be separately disclosed so that the effect thereof on the net expenditure for the year is known.
f) Insurance	
Repairs and maintenance	The list of heads is not exhaustive but illustrative. As far as possible only g)
Excise Duty	these heads of accounts should be used unless there is compelling reasons h) to add or delete any of these heads.
i) Rent, Rates and Taxes	* Purchase should be segregated between raw materials and stores for manufacture and for finished goods traded in. In case of manufacturing j)
Vehicles running and maintenance	entities, ‘Consumption of Raw Materials’ and ‘Stores’ may be given instead k)
Postage, telephone and communication charges	of Purchases’.
l) Printing and stationary	
m) Traveling and conveyance Expenses:	
n) Expenses on seminar/workshops	
o) Subscription expenses	
p) Expenses on fees	
q) Auditors remuneration	
r) Hospitality expenses	
s) Professional charges	
t) Provision for bad and doubtful debts/advances	
u) Irrecoverable balances Written off	
v) Packing charges	
w) Freight and forwarding Expenses	
x) Distribution expenses	
y) Advertisement and publicity	
z) Others (specify)	

SCHEDULE 22– EXPENDITURE ON GRANTS, SUBSIDIES, ETC.

a) Grants given to Institutions/Organizations Grants, subsidies or other similar assistance given to the Institutions/Organizations for general purposes and objectives of the Entity, on an irrevocable basis, shall be included in this Schedule.

b) Subsidies given to Institutions /Organizations:

Name of the Institutions/Organizations, their activities along with the amounts in each case should be disclosed.

These grants etc. are with or without any conditions attached as to their utilization and are of the nature of non-refundable amounts which are to be appropriated as expenditure.

The gross receipts shown against each sub-head in the Schedule 13, could be the source of these Grants/subsidies that are given, in turn to other institutions/ organizations on irrevocable basis.

The gross expenditure against each head should be disclosed.



SCHEDULE 23- INTEREST:

- | | |
|--|--|
| a) On fixed loans | 1. Interest would include commitment charges. |
| b) On other loans (including bank charges) | 2. Fixed loans are loans, which are for fixed period, like term loans. |
| c) Others (specify) | 3. Expenditure by way of interest as per Schedule 23 is the minimum disclosure requirement. The entity should be encouraged to disclose interest expended based on the sources of loans and borrowings as per the heads in |



Schedules 4 and 5.



SCHEDULE 25- CONTINGENT LIABILITIES AND NOTES ON ACCOUNTS:

**A. CONTINGENT
LIABILITIES**

1. Claims against the entity not
acknowledged as debts

2. Liability for partly paid
investments

3. Liability on account of
outstanding forward exchange
contracts

4. Guarantees and letters of
credit outstanding:

5. Bills discounted

6. Other items for which the
entity is contingently liable

Liability on partly paid shares, debentures etc. is required to be stated.

Amount of outstanding forward exchange contracts at the exchange rates applicable
as at the year-end should be stated.

Hkkjr dk jkti=k % vlk/kj.k 75

Liability towards guarantees given by the entity or on its behalf and letter of credits
outstanding as at the year-end are required to be disclosed.

Bills discounted outstanding as at the year-end to be disclosed.

Included here would be disputed statutory and other demands/claims, Bills
rediscounted, commitments under-writing contracts and other items for which the
entity is contingently liable.

B. NOTES ON ACCOUNTS

1. Commitments on capital
Account not provided for

2. Others Notes

This would arise in terms of contracts/arrangements in terms of which amounts
would have to provided for be paid for acquisition/construction of assets. The
amount, net of advances is required to be disclosed.

Schedule-IV

Form of Statement of Receipts and Payments

[See rule 4(2)]

Name of Entity : Joint Electricity Regulatory Commission for the State of Goa and Union Territories

RECEIPTS AND PAYMENTS FOR THE PERIOD /YEAR ENDED _____

(Amount –Rs)

RECEIPTS	CURRENT YEAR	PREVIOUS YEAR	PAYMENTS	CURRENT YEAR	PREVIOUS YEAR
1. Opening Balances a) Cash in hand b) Bank Balances i) In current accounts ii) In deposit accounts iii) Savings accounts II. Grants Received a) From Government of India b) From State Government c) From other sources (details) (Grants for capital & revenue exp. To be shown separately). III. Income on Investments from a) Earmarked/Endow. Funds b) Own Funds (Other Investment) IV. Interest Received a) On Bank deposits b) Loans, Advances etc. V. OTHER INCOM (SPECIFY)			1. Expenses a) Establishment Expenses (corresponding to Schedule 20) b) Administrative Expenses (corresponding to Schedule 21) II. Payments made against funds for various projects (Name of the fund or project should be shown along with the particulars of payments made for each project) III. Investments and deposits made a) Out of Earmarked/Endowment funds b) Out of Own Funds (Investments-Others) IV. Expenditure on Fixed Assets & Capital Work-in-Progress a) Purchase of Fixed Assets b) Expenditure on Capital		
VI. Amount Borrowed VII. Any other receipts (give details)			Work-in-progress V. Refund of Surplus money/Loans a) To the Government of India b) To the state Government c) To other providers of Funds VI. Finance Charges (Interest) VII. Other Payments (Specify) VIII. Closing Balances a) Cash in hand. b) Bank Balances. i) In current accounts ii) In deposit account iii) Savings accounts.		
TOTAL			TOTAL		

[F. No. 47/2/2010-R&R(i)]

JYOTI ARORA, Jt. Secy.